

इंडिया- वेस्ट इंडीज टी20 आज शहर में दिखेगा क्रिकेट का जलवा

▶ शालीमार चौक से नॉर्थ गेट तक सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित ▶ दर्शकों की एंट्री 3 बजे से , शाम 7 बजे से शुरू होगा मैच ▶ स्टेडियम में हेलमेट और सिक्कों पर पाबंदी

संवाददाता

रॉन्ची: भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार शाम 7:00 बजे से धुर्वा स्थित जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच देखने आने वाले दर्शकों को दोपहर 3:00 बजे से स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दर्शकों को अपने टिकट पर दर्ज गेट संख्या के अनुसार तय किए गए रूट से ही पहुंचना होगा। सीधे स्टेडियम के गेट तक किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी।

वाहनों को चिह्नित पार्किंग में खड़ा करने के बाद दर्शकों को करीब 300 मीटर की दूरी पैदल तय करनी होगी। स्टेडियम के चारों तरफ सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए

गाए हैं, जगह-जगह बैरिकेडिंग और दिशा-सूचक (साइनेज) बाँटें लगाए गए हैं। द्यूटी पर तैनात जवानों को संयुक्त आदेश (ज्वाइंट ऑर्डर) जारी कर पार्किंग व प्रमुख चौराहों पर तैनात कर दिया गया है।

भारी वाहनों की सुबह 6:00 बजे से रात 11:00 बजे तक नो एंट्री प्रभावी: मैच के दौरान शहर में यातायात सुचारु रखने के लिए शराबवादी सुबह 6:00 बजे से मैच खत्म होने तक कई मुख्य मार्गों पर रूट डायवर्जन लागू रहेगा। सुजाता चौक, स्मार्ट बाजार किंग, रांसेद चौक, एजी मोड़, हिनु चौक, बिरसा एजी, एवर्सि गेट, पुराना विधानसभा, धुवाँ गोलचक्कर, कडरू ब्रिज और अरगोड़ा चौक समेत कई इलाकों में ऑटो, टोयो, स्मॉल और मालवाहक वाहनों का परिचालन तरी तरह बंद रहेगा।



शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर
सुबह 6:00 बजे से रात 11:00
बजे तक नो एंट्री प्रभावी रहेगी।
सुरक्षा में 518 पुलिस



पदाधिकारी व 1200 जवान
तैनात, एडीजी खुद कर रहे
मॉनिटरिंग: मुकाबले को शांतिपूर्ण
और सुरक्षित बनाने के लिए कुल



518 पुलिस पदाधिकारियों और 1,200 पुलिसकर्मियों (जवान व महिला कर्मी) को मुस्तैद किया गया है। एडीजी स्वयं समूची सुरक्षा

व्यवस्था की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

स्टेडियम के अंदर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था को दो अलग-अलग चक्रों में बांटा गया है, ताकि मैच देखने आ रहे दर्शकों की जांच से लेकर भीड़ नियंत्रण और वीआईपी मूवमेंट तक हर पहलू पर पैनी नजर रखी जा सके। स्टेडियम के भीतर स्टैंड्स, गैलरियन और संवेदनशील अंशों में 335 पुलिस अधिकारियों के साथ 850 जवानों की कड़ी निगरानी रहेगी। वहीं, स्टेडियम के बाहरी परिसरों, पार्किंग स्थलों, चेकिंग बैरिकेड्स और मुख्य चौकों पर 183 पुलिस पदाधिकारियों एवं 350 जवानों की टीम तैनात रहेगी। महिलाओं की सुरक्षा और सहज तलाशी के लिए कुल 400 महिला पुलिसकर्मीयों को

प्रतिनियुक्ति की गई है।
गेटवार स्टू और पार्किंग-
साउथ और साउथ-ईस्ट गेट-
(प्रभात तारा मैदान): अरगोड़ा
की ओर से आने वाले दर्शक
धुवाँ गोलचक्कर से दाहिने
मुड़कर प्रभात तारा मैदान जाएंगे,
जहाँ मुख्य पार्किंग बनाई गई है।
यहां वाहन खड़ा कर दर्शक
300 मीटर पैदल चलकर
स्टेडियम पहुँचेंगे। यह मैदान
भरने पर डीएवी स्कूल, जवाहर
लाल नेहरू स्टेडियम, सत-
थॉमस स्कूल और शाखा मैदान
में पार्किंग कराई जाएगी।
वेस्ट गेट (सखुआ मैदान):
अरगोड़ा की ओर से आने वाले
दर्शक धुवाँ गोलचक्कर से वीर
कुंवर सिंह चौक और धुवाँ बस
स्टैंड होते हुए सरस्वती स्थित
विद्या मंदिर के सामने स्थित
सखुआ मैदान पहुँचेंगे। सखुआ

मैदान भरने पर सरस्वती शिखर विद्या मंदिर परिसर में गाड़ियां पार्क होंगी। वहाँ से भी 300 मीटर पैदल चलना होगा।

नॉर्थ गेट (हाईकोर्ट हेलिपैड) ग्राउंड- नया सराय की ओर से आने वाले दर्शक हाईकोर्ट हेलिपैड ग्राउंड में वाहन पार्क करेंगे। इसके बाद 300 मीटर पैदल चलकर नॉर्थ गेट से प्रवेश मिलेगा। टिकट जांच के बाद ही आगे जाने की अनुमति होगी। दूसरे गेट के टिकट से यहाँ प्रवेश नहीं मिलेगा।

वीआईपी व बीवीआईपी मार्ग: पासयुक्त वीआईपी वाहन-शालीमार बाजार, प्रस्तात तारामैदान और पार्स अस्पताल होते हुए नॉर्थ गेट के पास तय विशेष पार्किंग तक पहुँचेंगे। इस रूट पर आने वाहनों का परिचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

उपचुनाव: बंगाल की दोनों सीटों पर भाजपा आगे, तमिलनाडु में 2 सीटों पर टीवीके को बढ़त, असम में लोकसभा सीट पर बीजेपी आगे

दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/पुडुचेरी : 4 राज्यों को 6 सीटों पर काउंटिंग शुरू हो गई है। बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर में भाजपा को बढ़त है। वहीं, रुझानों में तमिलनाडु की दोनों सीटों पर सीएम विजय की पार्टी टीवीके आगे चल रही है। वहीं असम में एक लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भी भाजपा आगे चल रही है।

पछि बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर, तमिलनाडु की मद्रुरैवेलम और धारापुरम, पुडुचेरी की थट्टनचावंडे विधानसभा सीटों, असम की नागाव



लोकसभा सीट पर उपचुनाव हुए



थे। 6 अक्टूबर को वोटिंग हुई

नंदीग्राम में टीएमसी प्रत्याशी ने नामांकन वापस ले लिया था। इसके बाद ममता बनर्जी ने जिस कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन दिया, वह गिरफ्तार हो गए थे। हालांती, उन्हें चुनाव के लिए नामांकन मिल गई। यहां बीजेपी और कांग्रेस के बीच मुकाबला है। असम की नागों लोकसभा सीट पर बीजेपी के देवाशीष शर्मा, कांग्रेस के सिबामोनी बोरा और एआईयूडीएफ प्रमुख बरबुरदीन अजमल के बीच प्रतिकाेणीय मुकाबला है। देवाशीष त्रिपाठी एआईएसएस अफसर हैं।

नई दिल्ली: 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित सीजेपी प्रदर्शनों से पहले राजधानी में सुरक्षा तैयारियाँ तेज हो गई हैं। दिल्ली पुलिस ने डीएमआरसी को 57 मेट्रो स्टेशनों के एंट्री-एग्जिट गेट बंद करने और कुछ स्टेशनों पर ट्रेनों की प्रीक्वैन्सी घटाने का प्रस्ताव भेजा है। दिल्ली पुलिस के जॉइंट कमिश्नर, ट्रांसपोर्ट रेंज की ओर से गुवागया को डीएमआरसी को पत्र भेजा गया। इसमें कहा गया कि प्रस्तावित प्रदर्शनों को देखते हुए एहतियात के तौर पर चिन्हित स्टेशनों पर जरूरी कदम उठाए जाएँ।

इन बंदे मेट्रो स्टेशनों के नाम शामिल: पुलिस की सूची में राजीव गांधी सेंट्रल सेक्टेरियट, पाली



चौक, जनपथ, नई दिल्ली, मंडी हाउस, आईटीओ, सुप्रीम कोर्ट और इंद्रप्रस्थ जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा कश्मीरी गेट, करोल बाग, आईएनए, हौज खास, लाजपत नगर, जमिया मिल्लिया इस्लामिया, सीलामपुर, वेलकम, शाहदरा, रिटाला, रोहिणी ईस्ट और रोहिणी वेस्ट



समेटे कुल 57 स्टेशनों का जिक्र किया गया है।

ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी भी घटाने का सुझाव: पत्र में सिर्फ गेट बंद करने की बात ही नहीं है। पुलिस ने चिन्हित स्टेशनों पर मेट्रो ट्रेनों की आवाजाही की फ्रीक्वेंसी कम करने का भी प्रस्ताव दिया है। इसके पीछे सवेदनशील इलाकों

की ओर भीड़ के बढ़ने की आशंका बताई गई है। उधर स्थिति संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को जरूरी निर्देश जारी करने की भी अपील की है। डीएमआरसी ने इस पर क्या फैसला लिया है, वह अभी साफ नहीं हो पाया है।

10 अक्टूबर को सीजेपी का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन: सीजेपी ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और काथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर युवाओं के नेतृत्व में प्रदर्शन का ऐलान किया है। इसे देखते हुए नई से से देखते हुए नई दिल्ली आसपास के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

एसआईआर में गड़बड़ी के आरोपों पर विपक्ष का हल्लाबोल

सड़क पर संग्राम के बाद राष्ट्रपति भवन पहुंचेगा विपक्ष, रात 8 बजे द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात



नई दिल्ली : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआरआर) में कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विपक्षी इंडिया गठबंधन ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है। लगातार जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच विपक्षी सांसद शुक्रवार को एक बार फिर सड़क पर उतरने की तैयारी में हैं। तय रणनीति के अनुसार, विपक्षी सांसद संसद भवन में जुटने के बाद राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकालेंगे।

विपक्षी दल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उन्हें एसआरआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से अवगत कराना चाहते हैं। इसके साथ ही वे मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की औपचारिक मांग भी राष्ट्रपति

के सामने रखेंगे। राष्ट्रपति भवन की ओर से विपक्षी प्रतिनिधिमंडल को मुलाकात के लिए अब तक कोई आधिकारिक समय नहीं दिया गया है। इस बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विपक्षी एकजुटता को मजबूत करने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे समेत कई प्रमुख नेताओं से फोन पर बात की है। उन्होंने इन नेताओं से दिल्ली पहुंचकर आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया है।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कोलकाता से दिल्ली रवाना होने से पहले इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के गंभीर मुद्दे को लेकर उन्हें राजधानी आने के लिए कहा गया

विषयक कर रहे हैं। इससे नतीज यह निकलता है कि राज्य सरकार द्वारा विपक्षों के लिए उपराष्ट्रपति भवन और उपराष्ट्रपति भवन के अलावा प्रधानमंत्री के अतिरिक्त मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री के अतिरिक्त शाह के आवास के बाहर प्रदर्शन करना भी शामिल है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के मुताबिक, विपक्षी गठबंधन ने राष्ट्रपति से आवास के लिए पहला अनुरोध 2 अक्टूबर को भेजा था। इसके बाद राष्ट्रपति भवन ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने वालीने नेताओं की सूची मांगी।

विपक्ष ने 5 अक्टूबर को नेताओं के नाम भेजे हुए 7, 8 या 9 अक्टूबर को मुलाकात का समय देने का अनुरोध किया था।

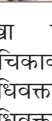
हालांकि, अब तक राष्ट्रपति भवन की ओर से मुलाकात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

जो दिनभर की मजदूरी खत्म करने के ब
पने-अपने घरों को लौट रहे थे। इसी दौड़
स्ते में आगे चल रहे वाहन को ओवरटे
की कोशिश में पिकअप गाड़ी सामने
रहे एक अनियंत्रित ट्रक की चपेट में
हैं। आमने-सामने हुई इस भीषण भिड़ंत
द गाड़ी में खराब मजदूर बुरी तरह फँस ग
स्थानीय लोगों ने सभाला मोर्चा, भु
एक गश् शवः हादसे की जोरदार आवा
नकर आसपास के राहगीर और स्थान
एक फौरन मदद के लिए दौड़े और पुलि
स सूचित किया। लोगों ने कड़ी मशक्
बाद घायलों को क्षतिग्रस्त वाहन
तराह किया। मौके पर पहुंची पुलिस
एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों
जंजीरों अस्पताल में भर्ती कराया, ज
ई मजदूरों की हालत नाजुक बताई
थी है। अधिकारियों के मुताबिक, मुत्
शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम
क्रिया के लिए खावड़ा से भुज अस्पता
जा गया है।

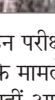
सरकार ने कहा-परीक्षा में अनियमितता हुई है। सरकार की ओर से अदालत में कहा गया कि परीक्षा में सिस्टमेटिक अनियमितता हुई है। अनुसंधान में यह साफ हो गया है कि परीक्षा की स्वच्छता भंग हुई है। नियुक्ति में यह पता लगाना असंभव है कि कौन सफल अभ्यर्थी दोषी है और कौन निर्दोष।

सरकार ने बताया कि सीआईडी के दस्तावेजों से साफ पता है कि नियुक्ति में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है। परीक्षा में अनियमितता को देखते हुए सरकार को नियुक्ति रद्द करने का अधिकार है। अब मामले की सुनवाई सोमवार दोपहर 2.15 बजे होगी। मामले में हस्तक्षेपकर्ता की ओर से बहस की जाएगी।

याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में



रखा पक्ष: इससे पहले याचिकाकर्ताओं की ओर से अश्विक्ता अमृतश वत्स और अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने कोर्ट को बताया कि इन तीनों पक्षीको टीडीपीएल से जोड़ते हुए सरकार ने परीक्षा रद्द की है। जबकि परीक्षाओं के लगभग संपन्न होने के बाद जुलाई 2025 में परीक्षा आयोजित करने में टीडीपीएल शामिल हुआ था। उस दौरान इन पक्षी में चयन प्रक्रिया का अंतिम चरण डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन चल रहा था। जेपीएससी 11वीं-13वीं, सीडीपीओ और फूड सेफ्टी अफसर की नियुक्ति को लेकर कोई एफआईआर भी नहीं हुआ। कोई समन भी नहीं हुआ। साथ ही किसी की गिरफ्तारी भी नहीं हुई।



इन परीक्षाओं में सफल अभ्यर्थियों के मामले कोई मनी ट्रेल भी सामने नहीं आई है, जिससे पता चले कि परीक्षा में पैसों का कोई लेनदेन हुआ है। दोनों अधिकाओं ने बताया कि यहां परीक्षा में बड़े पैमाने में गड़बड़ी का भी कोई आरोप नहीं है। सीआईडी जांच में भी अब तक उक्त तीनों परीक्षा में गड़बड़ी के कोई साक्ष्य नहीं है। केवल टलीडीपीएल की सलिपता की आशंका का हवाला देते हुए परीक्षा रद्द की गई। सरकार ने जल्दबाजी और राजनीतिक दबाव में परीक्षा रद्द की है। अधिकाओं अमृताश्व वत्स ने कोर्ट को बताया कि सरकार के तर्फ से उक्त तीनों परीक्षा में निवृत्ति रद्द करने का वाला नोटिफिकेशन असंवैधानिक

है। क्योंकि राज्य सरकार के पास परीक्षा और विज्ञापन रद्द करने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल जेएसएससी/ जेपीएससी के पास है।

राज्य सरकार के पास सिर्फ नियुक्ति आदेश रद्द करने का अधिकार है, वह भी संविधान में दी गई प्रक्रिया को अपनाते हुए किया जा सकता है। अब इस मामले में राज्य सरकार अदालत में अपना पक्ष रखेगी। मामले में याचिकाकर्ता ने सरकार द्वारा सिविल सेवा परीक्षा-2023 (01/2024), फूड सेफ्टी ऑफिसर (18/2023) और सीडीपीओ (21/2023) नियुक्ति को रद्द करने को चुनौती दी गई है।

प्रवासी कल्याण आयोग का गठन करे सरकार: देवेन्द्र नाथ

मुरी: देश को खनिज संपदा के साथ-साथ कुशल श्रमशक्ति देने में झारखंड की विशिष्ट पहचान है। मुंबई महानगर में झारखंड के बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं, रोजगार की स्थिति एवं पलायन के मुद्दे पर संवाद स्थापित करते हुए झारखंडी एकता संघ एवं विश्वकर्मा पूजा समिति, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में भरतवन गार्डन, अंधेरी ईस्ट, मुंबई में प्रवासी श्रमिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो शामिल हुए। कार्यक्रम में आंटी चालक, होटल-रेस्टोरेंट में कार्यरत व विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले प्रवासी श्रमिकों ने भाग लिया। इस दौरान देवेन्द्र नाथ महतो ने प्रवासी श्रमिकों के साथ पलायन, रोजगार के अवसर, श्रमिकों के अधिकार एवं विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा जैसे विषयों पर सामूहिक चर्चा- परिचर्चा किया।

देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड से श्रमिकों का पलायन राज्य सरकार की विफलता का परिणाम है। झारखंड प्राकृतिक एवं खनिज संपदाओं से समृद्ध राज्य होने के बावजूद यहां के लोगों को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ रहा है। इसके बावजूद हमारे झारखंडी श्रमिकों अपनी मेहनत, हुनर और कार्यकुशलता के बल पर मुंबई जैसे महानगरों में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं।

उन्होंने अपने संबोधन में झारखंड सरकार से 'प्रवासी कल्याण आयोग' गठित करने का मांग किया। ताकि झारखंडी प्रवासी श्रमिकों को रक्षा व बैहतर मजबूती मिल सके। इस अवसर पर प्रवासी श्रमिकों में अपनी झारखंडियत को लेकर विशेष उत्साह एवं जोश देखने को मिला। प्रवासी श्रमिकों ने देवेन्द्र नाथ महतो को दिशुम वीर बाबू के नाम से नवाजते करते हुए उनकी तस्वीर भेंट किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्रल शेख, ताज हसन अंसारी, संतोष कुमार, भीम गुप्ता, झरी पंडित, असगर खान सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 10 गौवंश बरामद, ग्रामीणों ने पकड़ा

तोरपा: प्रखंड के बोटलों गांव के समीप छाता नदी के किनारे झाड़ियों में तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 10 गौवंश को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलने के बाद बजरंग दल के जिला संयोजक कर्मवीर महतो के नेतृत्व में कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। इसके बाद पकड़े गए गौवंश को सुरक्षित किया गया तथा मामले की जानकारी संबंधित प्रशासन को दी गई। जानकारी के अनुसार, बोटलों एवं कुदरी गांव के ग्रामीणों ने गौवंश को पकड़े जाने की सूचना बजरंग दल के जिला संयोजक कर्मवीर महतो को दी थी। सूचना मिलते ही कर्मवीर महतो के नेतृत्व में टीम घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर जिला सह संयोजक प्रकाश अधिकारी, मनोरंजन सांसी, ओम ठाकुर, आदित्य महतो समेत बजरंग दल के अन्य कार्यकर्ता और दोनों गांवों के करीब 50 ग्रामीण मौजूद थे। गौवंश को कहाँ से लाया गया था और इस मामले में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जानकारी जुटाने के लिए संबंधित प्रशासन द्वारा जांच की जा रही है। गौरतलब है कि बीते 14 अगस्त को भी इसी क्षेत्र में तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 8 गौवंश को बजरंग दल ने जिला संयोजक कर्मवीर महतो के नेतृत्व में पकड़ा था। उस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बजरंग दल के जिला संयोजक कर्मवीर महतो ने कहा कि क्षेत्र में गौवंश की तस्करी की सूचना मिलने पर ग्रामीणों के सहयोग से तत्काल प्रशासन को जानकारी दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना संबंधित प्रशासन को देने की अपील की।

मुरहू में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से खतरा, कार्रवाई की मांग

मुरहू : पंचायत एवं प्रखंड क्षेत्र में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से आम लोगों और मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बाजारों, दुकानों, मुख्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर झुंड में घूम रहे कुत्तों से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आगामी त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए इस समस्या पर जल्द कार्रवाई की मांग उठने लगी है। मुरहू के उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने कहा कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। कई जगहों पर कुत्ते झुंड बनाकर मवेशियों के पीछे दौड़ते हैं और उन पर हमला करते हैं। पालतू जानवरों पर हमले तथा लोगों को कुत्तों के काटने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। उन्होंने जिला प्रशासन एवं पंचायती राज पदाधिकारी से इस मामले में तत्काल पहल करने की मांग की है। साबू ने कहा कि डॉग रिकवरी वैन के माध्यम से आवारा एवं आक्रामक कुत्तों को पकड़कर सुरक्षित शेल्टर में रखने की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो त्योहारों के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों में कुत्तों के हमले की घटनाएं बढ़ सकती हैं। इससे बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं, राहगीरों और मवेशियों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। उप प्रमुख ने मुरहू पंचायत सहित पूरे प्रखंड क्षेत्र में विशेष अभियान चलाने की मांग करते हुए कहा कि प्रशासन को किसी बड़ी घटना से पहले इस समस्या का समाधान करना चाहिए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

घर के आंगन में युवक की फरसा से हत्या, क्षेत्र में हड़कंप

अड़की : खूंटी जिले के अड़की थाना क्षेत्र के हेमरोम गांव में बुधवार रात एक युवक की फरसा से हत्या कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बंदापीड़ी गांव निवासी 24 वर्षीय महेंद्र सोले के रूप में हुई है। हत्या का आरोप हेमरोम गांव निवासी सोबरन मुंडा पर लगा है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब 9:30 बजे महेंद्र सोले अपने दोस्तों के साथ हेमरोम बाजार गया था। वहां वह गांव में महुआ शराब बेचने वाली एक महिला के घर के आंगन में दोस्तों के साथ बैठा था। इसी दौरान गांव का ही सोबरन मुंडा वहां पहुंचा और महेंद्र पर फरसा से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल महेंद्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के साथ मौजूद दोस्त मौके से भाग निकले। देर रात घटना की जानकारी मिलने पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही अड़की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मुत्ताक के पिता चमरा मुंडा ने बताया कि उनका बेटा हेमरोम बाजार गया था।

झारखंड

पंचतत्व में विलीन हुईं रूपी सोरेन, मुख्यमंत्री ने अश्रुपूर्ण नेत्रों से मां को दी अंतिम विदाई

संवाददाता

रामगढ़ : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां और दिवंगत जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन पंचतत्व में विलीन हो गईं। रामगढ़ के उनके पैतृक गांव नेमरा में पूरे सम्मान और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। मां की अंतिम विदाई के वक्त मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने अपनी मां को मुखानि दी। हजारों लोगों की नम हुई आंखें: जैसे ही चिता को अग्नि दी गई, वहां मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गईं। रूपी सोरेन को अंतिम जोहार देने के लिए नेमरा में ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि गांव की गलियों से लेकर श्मशान घाट तक सिर्फ लोग ही लोग नजर आए। रामगढ़ का नेमरा, यही वह माटी है, जहां सोरेन परिवार की जड़ें गहरी हैं। गुरुवार को इसी गांव ने अपने परिवार की एक और बड़ी शख्सियत को नम आंखों से विदाई दी। अंतिम दर्शन के लिए नेमरा लाया

गया था पार्थिव शरीर: दिवंगत जननायक और मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पत्नी तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए नेमरा लाया गया। पार्थिव शरीर के गांव पहुंचते ही पूरा माहौल गम में डूब गया। घर-घर से लोग बाहर निकले। बुजुर्ग, महिलाएं, युवा और बच्चे, हर कोई अंतिम दर्शन करना चाहता था। अंतिम यात्रा शुरू हुई तो जनसैलाब उमड़ पड़ा: परिवार के सदस्यों के साथ ग्रामीण, समर्थक, पार्टी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आम लोग शव यात्रा में शामिल हुए। नेमरा की गलियों से गुजरती अंतिम यात्रा में एक ही भाव दिखाई दे रहा था अंतिम जोहार। रूपी सोरेन को अंतिम जोहार। लोग नम आंखों से अपनी प्रिय रूपी सोरेन को अंतिम विदाई देने श्मशान घाट तक पहुंचे। हेमंत सोरेन ने दी मां को मुखानि: पैतृक गांव नेमरा स्थित श्मशान घाट पर पूरे सम्मान और पारंपरिक



रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हुई और फिर आया वह पल, जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी मां को मुखानि दी। मुखानि के साथ ही पूरा वातावरण भावुक हो उठा। जिस मां की ममता और स्नेह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जीवन का सहारा रहा। आज उसी मां को बेटे ने अपनी आंखों के सामने अंतिम विदाई दी। रूपी सोरेन के

पंचतत्व में विलीन होते ही वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। रूपी सोरेन की अंतिम यात्रा में भावुक दिखे मुख्यमंत्री: रूपी सोरेन की यह अंतिम यात्रा कई मायनों में बेहद भावुक कर देने वाली रही। करीब एक साल पहले इसी नेमरा की धरती पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को अंतिम विदाई दी गई थी और अब उसी माटी ने उनकी जीवनसंगिनी रूपी सोरेन को भी

पूजा पंडालों में सीसीटीवी और रेशनी की व्यवस्था अनिवार्य

संवाददाता

लातेहार : आगामी दुर्गा पूजा त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई: बैठक में सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने पर भी जोर दिया गया। त्योहार के दौरान भ्रामक खबरें और अफवाह फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। प्रशासन ने शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों से सहयोग की अपेक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य दुर्गा पूजा के दौरान जिले में सुरक्षा, शांति और सामाजिक सद्भाव बनाए रखना तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

बैठक में संबंधित पदाधिकारियों को दुर्गा पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी बनी रहे। भड़काऊ और अश्लील गानों पर रहेगी रोक: प्रशासन की ओर से

सृष्ट निर्देश दिया गया कि दुर्गा पूजा के दौरान भड़काऊ एवं अश्लील गाने नहीं बजाए जाएंगे। पूजा समितियों को आपसी सौहार्द बनाए रखने और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने की बात कही गई। प्रतिमा विसर्जन निर्धारित रूट के अनुसार ही कराने का निर्देश दिया गया, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई: बैठक में सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने पर भी जोर दिया गया। त्योहार के दौरान भ्रामक खबरें और अफवाह फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। प्रशासन ने शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों से सहयोग की अपेक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य दुर्गा पूजा के दौरान जिले में सुरक्षा, शांति और सामाजिक सद्भाव बनाए रखना तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

रूपी सोरेन को झामुमो नेताओं ने दी अंतिम विदाई, लाल मोती नाथ शाहदेव ने जताया शोक

राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम समेत कई नेता व कार्यकर्ता अंतिम संस्कार में हुए शामिल

लातेहार: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता एवं दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन के निधन से झारखंड में शोक की लहर है। उनके अंतिम संस्कार में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उन्हें अंतिम जोहार किया।

इस दौरान राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम, झामुमो के लातेहार जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव, जिला सचिव बुद्धेश्वर उरांव, आर्सन तिकी, रिकू कश्यप, दीपक कुमार, औरंगजेब खान



और सौरभ श्रीवास्तव समेत पार्टी के कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत रूपी सोरेन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पूरे सोरेन परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस मौके पर झामुमो के जिला

अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने कहा कि मां का साया उठ जाना जीवन की ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। स्व। रूपी सोरेन का स्नेह, ममता, त्याग और उनके दिए संस्कार सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे।

झामुमो नेताओं ने कहा कि इस दुख की घड़ी में पार्टी का पूरा संगठन शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

अज्ञात महिला का शव मिला, हड़कंप

जामताड़ा : जिले के करमाटांड थाना क्षेत्र स्थित शीतलपुर गांव में एक खेत से बृहस्पतिवार को अज्ञात महिला का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका का एक हाथ आधा जला हुआ पाया गया है, जिससे घटना के पीछे किसी गंभीर अपराध और साक्ष्य मिटाने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही स्थानीय करमाटांड थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस हर संभावित पहलू पर मामले की गहन तफ़ीश कर रही है। जानकारी के अनुसार शीतलपुर गांव के समीप स्थित एक खेत में स्थानीय ग्रामीणों ने महिला का शव पड़ा हुआ देखा।

खबर फैलते ही घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। इसके तुरंत बाद ग्रामीणों ने मामले की जानकारी करमाटांड थाना पुलिस को दी। पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और आसपास के क्षेत्र में बारीकी से निरीक्षण किया। मृतका की उम्र और उसकी पहचान के संबंध में फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। बरामद शव का एक हाथ आधा जला हुआ है, जिससे घटना के कारण पुलिस इस विशेष बिंदु को ध्यान में रखकर जांच को आगे बढ़ा रही है। आशंका जताई जा रही है कि पहचान छिपाने अथवा साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से महिला का हाथ जलाने का प्रयास किया गया है।

डीएचएफएल में डूबे कोयला कर्मचारियों के 727 करोड़

झारखंड हाई कोर्ट ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने गुरुवार को कोयला कंपनियों के कर्मचारियों के प्रोविडेंट फंड के पैसे से हुए 727.67 करोड़ रुपये के नुकसान की सीबीआई जांच का आदेश दिया। यह नुकसान तब हुआ जब 1,300 करोड़ रुपये 'दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (डीएचएफएल) में निवेश किए गए थे, जो बाद में दिवालिया हो गई। चीफ जस्टिस एमएस सोनाक की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने 'कोल एम्प्लॉई वेल्फेयर एसोसिएशन' की ओर से दायर एक फीआईएल पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। सीबीआई जांच का आदेश देने के बाद कोर्ट ने याचिका का निपटारा

कर दिया। यह मामला 'कोल माईंस प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन' (सीएमपीएफओ) द्वारा टीएचएफएल में किए गए 1,300 करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ा है। बाद में यह हाउसिंग फाइनेंस कंपनी दिवालिया हो गई, जिससे टीएचएफएल के निवेश में 727.67 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कोयला कंपनी के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन की याचिका में आरोप लगाया गया कि टीएचएफएल की बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बारे में चेतावनी मिलने के बावजूद समय रहते निवेश वापस नहीं निकाला गया। याचिका के अनुसार, टीएचएफएल के फंड मैनेजर - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और यूटीआई- ने 24 जून 2019 को ही टीएचएफएल की आर्थिक स्थिति को



लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि कंपनी मुश्किल में पड़ सकती है और सलाह दी थी कि निवेश वापस निकाल लिया जाए।हालांकि, याचिका में आरोप लगाया गया कि चेतावनी के बावजूद समय पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद टीएचएफएल दिवालिया हो गई, जिससे टीएचएफएल के फंड को 727.67 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

लगभग छह महीने बाद, 20 दिसंबर 2019 को टीएचएफएल ने एक बैठक की जिसमें टीएचएफएल से निवेश वापस लेने का प्रस्ताव पारित किया गया। हालांकि, तब तक नुकसान का पता चल चुका था। लगभग दो साल बाद, 22 नवंबर 2021 को टीएचएफएल बोर्ड की निवेश से जुड़ी एक सब-कमेटी की बैठक हुई, जिसमें 727.67 करोड़ रुपये को बूट्टे खाते में डालने (यानी नुकसान मानकर हटाने) का प्रस्ताव रखा गया। कर्मचारियों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। नुकसान की भरपाई के लिए, कोल इंडिया बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने कोयला उत्पादन पर 10 रुपये प्रति टन का सेस लगाने का प्रस्ताव भी दिया था। इस मामले के सिलसिले में तत्कालीन कोयला सचिव अनिमेष भारती जाए, इन सभी बातों की जांच की जाएगी।

की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि विभागीय कार्यवाही की रिपोर्ट मिलने से पहले ही, टीएचएफएल ने हाई कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर अपने अधिकारियों को क्लोन चिट दे दी। हाई कोर्ट ने इस कदम का गंभीरता से सजाा लिया। याचिकाकर्ता ने पूरे मामले की सीबीआई जांच और साथ ही डूबे हुए 727.67 करोड़ रुपये की वसूली की मांग की थी। अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह ने कोर्ट में याचिकाकर्ता का पक्ष रखा। हाई कोर्ट द्वारा ड़कजांच का आदेश दिए जाने के बाद, टीएचएफएल ने इतनी बड़ी रकम निवेश करने का फैसला लेते समय अपनाई गई प्रक्रियाओं, चेतावनियों के बावजूद पैसा निकालने में हुई देरी के कारणों और 727.67 करोड़ रुपए के नुकसान के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा, इन सभी बातों की जांच की जाएगी।

बंद घर से 40 लाख नगद व 5 लाख के गहने चोरी, 2 आरोपी हिरासत में

बेटी की शादी के लिए इक्कट्ठा किये गये थे गहने व पैसे

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित पहाड़ी टोला में एस खातुन के एक महीने से बंद पड़े घर को निशाना बनाते हुए चोरों ने 40 लाख रुपये की नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। इस बड़ी चोरी का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि चोरों ने बेटी की शादी के लिए बूंद-बूंद कर जुटाए गए कीमती सामान, नकदी व गहनों को भी नहीं छोड़ा। माता-पिता ने अपनी बेटी की डोली उठाने के लिए बड़े अरमानों और खून-पसीने की कमाई से इन्हें



जोड़कर रखा था। शादी की खुशियों के जिस घर में शहनाई गूंजनी थी, वहां अब मातम पसरा हुआ है। अब परिवार के पास सिसकियां और आंसू ही बचे हैं।

अपराधियों ने बंद घर का ताला और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और इत्मीनान से पूरे घर का चप्पा-चप्पा छानने के बाद कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

पड़ोसियों ने एस खातुन को फोन पर दी चोरी की सूचना
जब परिवार बिहार में था, तब स्थानीय लोगों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखा और फौरन इसकी सूचना फोन पर परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई और वे तुरंत रांची पहुंचे। घर का नजारा देखकर परिजनों के होश उड़ गए। हर तरफ सामान बिखरा पड़ा था और पीढ़ियों की जमा-पूजी व अरमान एक झटके में गायब हो चुके थे।
फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और डांग स्वर्वांड ने की जांच

घटना की जानकारी मिलते ही सुखदेव नगर थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट व डांग स्वर्वांड की मदद से साक्ष्य जुटाने शुरू किए। अब पुलिस के लिए यह सनसनीखेज मामला एक बड़ी चुनौती बन गया है, क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर हुई इस चोरी का खुलासा करना और अपराधियों की सलाखों के पीछे पहुंचाना पुलिस के सामने सबसे बड़ा इम्तिहान है। स्थानीय लोगों में इस घटना के बाद से भारी आक्रोश और सुरक्षा को लेकर डर का माहौल है।

मुख्यमंत्री ने परिजनों के साथ निभाई भोजन परोसने की पारंपरिक रस्म

मेट्रो रेज

रांची/रामगढ़: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी दिवंगत माता रूपी सोरेन की स्मृति में पारिवारिक और पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया। रामगढ़ जिले के नेमरा स्थित अपने पैतृक आवास पर मुख्यमंत्री ने परिजनों के साथ भोजन परोसने की पारंपरिक रस्म निभाई।

स्थानीय परंपराओं और रीति-रिवाजों का किया निर्वहन
: इस दौरान उन्होंने स्थानीय परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार अपनी दिवंगत माता से जुड़े पारंपरिक संस्कारों को पूरा किया। परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में निभाई गई इस रस्म के जरिए मुख्यमंत्री ने अपनी माता की स्मृति को नमन किया। गौरतलब है



कि नेमरा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पैतृक गांव है, जहां परिवार की परंपराओं और रीति-रिवाजों का विशेष महत्व है। मुख्यमंत्री ने

भी परिवार के साथ इन परंपराओं का निर्वहन करते हुए अपनी दिवंगत माता के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

सेक्टर-3 के कम्युनिटी हॉल में निगम द्वारा अंचल कार्यालय खोलने का विवाद पहुंचा कोर्ट

मेट्रो रेज

रांची: धुवां स्थित एचईसी कॉलोनी स्थित सेक्टर-3 के कम्युनिटी हॉल में रांची नगर निगम द्वारा अंचल कार्यालय खोलने पर विवाद गहरा गया है। स्थानीय निवासियों के विरोध के बीच अब यह मामला अदालत के चौखट पर पहुंच गया है। झारखंड हाईकोर्ट में नगर निगम के इस निर्णय के खिलाफ एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है जिस पर अदालत 15 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। मामले की शुरुआत तब हुई जब नगर निगम ने सेक्टर-3 स्थित कम्युनिटी हॉल को अपने अंचल कार्यालय में



बदलने की तैयारी शुरू की थी। अधिवक्ता सूरज किशोर प्रसाद ने जताई थी आपत्ति : स्थानीय निवासी और झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता सूरज किशोर प्रसाद ने इस निर्णय के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए

मुख्यमंत्री सचिवालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, एचईसी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और रांची नगर आयुक्त को औपचारिक लिखित आपत्ति की थी जिसके बाद अब इस मामले में

जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि कम्युनिटी हॉल कोई लावारिस या अनुपयोगी संपत्ति नहीं है बल्कि इसका निर्माण वर्ष 2006 में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत जनहित में कराया गया था। पिछले लगभग दो दशकों से एचईसी कॉलोनी के निवासी विशेषकर मध्यम एवं सामान्य वर्ग के परिवार शादी-विवाह, सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए इसका नियमित उपयोग करते आ रहे हैं लेकिन नगर निगम ने यहाँ अंचल कार्यालय खोल दिया है जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी होगी।

रांची में कल जुटेंगे 1500 बैंक अधिकारी, बीओआईओए की वार्षिक आमसभा में बनेगी आगे की रणनीति

रिम्स ऑडिटोरियम में होगा आयोजन, बैंक अधिकारियों की समस्याओं और संगठन के विस्तार पर होगी चर्चा

संवाददाता

रांची: बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन (बीओआईओए) की झारखंड राज्य इकाई की 21वीं वार्षिक आमसभा शनिवार, 10 अक्टूबर को रांची के बरियातू रोड स्थित रिम्स ऑडिटोरियम में आयोजित होगी। आमसभा में राज्य के विभिन्न जिलों से करीब 1500 बैंक अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन में बैंक अधिकारियों की समस्याओं, संगठन के विस्तार और भविष्य की कार्ययोजनाओं व नीतियों पर विस्तार से चर्चा की



जायेगी। आमसभा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। विभिन्न जिलों से आने वाले अधिकारियों के ठहरने और कार्यक्रम में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष

इंतजाम किये गये हैं। संगठन के इस प्रांतीय सम्मेलन को बैंक अधिकारियों की एकजुटता और सांगठनिक मजबूती के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय पदाधिकारी भी

शामिल होंगे। इनमें चेयरमैन संजय कुमार दास, अध्यक्ष मैत्रेयी गरीकर, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील कुमार और महासचिव नीलेश पवार प्रमुख हैं। पदाधिकारियों के नेतृत्व में आमसभा की तैयारियों और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। आमसभा में अधिकारियों की कार्यक्षेत्र से जुड़ी समस्याओं और संगठनात्मक चुनौतियों पर विचार-विमर्श के साथ आगामी दिनों की रणनीति तय की जायेगी। इसके अलावा संगठन को और मजबूत बनाने तथा सदस्यों की भागीदारी बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति का भव्य रास रंग डांडिया नाइट 15 अक्टूबर को , पूर्व विधायक अंबा प्रसाद होंगी मुख्य अतिथि

संवाददाता

रांची : हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति द्वारा दुर्गा पूजा महोत्सव के अवसर पर आगामी 15 अक्टूबर 2026, गुरुवार को भव्य रास रंग डांडिया नाइट का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन शाम 6:30 बजे हटिया स्टेशन स्थित डीआरएम कार्यालय के सामने दुर्गा पूजा मैदान में किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है।

इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंबा प्रसाद, बड़कागांव की पूर्व विधायक एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव, शामिल होंगी।

समिति के सचिव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति प्रत्येक वर्ष धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में आपसी भाईचारे, एकता और सांस्कृतिक



परंपराओं को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी डांडिया नाइट का आयोजन आकर्षक एवं भव्य रूप से किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि डांडिया और गरबा भारतीय संस्कृति एवं नवरात्रि की उत्सवधर्मिता के प्रतीक हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को एक मंच पर लाकर

सांस्कृतिक उत्सव का आनंद प्रदान करना तथा आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करना है। समिति की ओर से रांची एवं आसपास के सभी श्रद्धालुओं, युवाओं, महिलाओं और परिवारों से कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई है। कार्यक्रम का विवरण:
* आयोजन: हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति 2026
* कार्यक्रम: रास रंग डांडिया नाइट
* दिनांक: 15 अक्टूबर 2026, गुरुवार
* समय: शाम 6:30 बजे से
* स्थान: दुर्गा पूजा मैदान, डीआरएम कार्यालय के सामने, हटिया स्टेशन, रांची
* मुख्य अतिथि: सुश्री अंबा प्रसाद, पूर्व विधायक, बड़कागांव एवं राष्ट्रीय सचिव, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस।

मांडर व बेड़ो में बीआरसी स्तरीय प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता

रांची : रांची जिला प्रशासन की विशेष पहल रांची इस्पीक्स के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर मांडर और बेड़ो प्रखंडों में बीआरसी स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, संचार कौशल, अभिव्यक्ति क्षमता और सार्वजनिक मंच पर अपनी बात रखने की कला को विकसित करना है। प्रतियोगिता में विभिन्न सीआरसी स्तरों पर चयनित कक्षा एक से पांच और कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।मांडर प्रखंड में आयोजित प्रतियोगिता में जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मांडर प्रखंड प्रमुख, सीओ-सह-बीडीओ, एड्ओ राकेश कुमार, डीडीओ कांति तिकी, बीपीओ गुलाम



सरवर सहित जनप्रतिनिधि, अभिभावक और शिक्षक शामिल हुए। विद्यार्थियों ने मंच पर अपनी प्रतिभा और अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया। बेड़ो प्रखंड में प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय मध्य विद्यालय, बेड़ो बालक में किया गया। इसमें प्रखंड के सभी आठ सीआरसी से चयनित कक्षा एक से पांच और कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मांडर प्रखंड प्रमुख, सीओ-सह-बीडीओ, एड्ओ राकेश कुमार, डीडीओ कांति तिकी, बीपीओ गुलाम

तिग्गा, प्रखंड अध्यक्ष प्रो। कर्मा उरांव और बेड़ो पंचायत की मुखिया सुशांति भगत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारी शामिल हुए। जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने कहा कि रांची इस्पीक्स का बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। बच्चों को यदि उचित मंच और अवसर मिले, तो वे बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने इस पहल को और प्रभावी बनाने के लिए सभी हितधारकों से सहयोग की अपील की। विधायक प्रतिनिधि देवनिस

तिग्गा ने अपने बचपन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि पहले माइक पकड़कर बोलना तो दूर, प्रार्थना सभा में अपनी बात रखने में भी झिझक होती थी। आज इस पहल के माध्यम से बच्चे कम उम्र में ही आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख पा रहे हैं। प्रखंड अध्यक्ष प्रो कर्मा उरांव ने कहा कि बचपन में उन्हें भी अपनी बात रखने में संकोच होता था। आज बच्चों को मिला यह मंच उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रहा है। वहीं मुखिया सुशांति भगत ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि कम उम्र में उनकी सहजता और आत्मविश्वास इस पहल के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है। प्रतियोगिता के प्रका एक से पांच वर्ग में मांडर प्रखंड से जीएमएस सोसई आश्रम की कक्षा पांच के छात्र श्रवण उरांव ने प्रथम

स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा छह से आठ वर्ग में जीएमएस कंदरी की कक्षा आठ की छात्रा आलिया इरम प्रथम रही। बेड़ो प्रखंड में कक्षा एक से पांच वर्ग में प्राथमिक विद्यालय जरिया कटर माली की अश्विनी कुमारी ने प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि कक्षा छह से आठ वर्ग में उत्कर्मित मध्य विद्यालय डोरंडा की रोजी परवीन प्रथम रही। प्रतियोगिता के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, शिक्षकों और शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही। रांची इस्पीक्स के माध्यम से बच्चों को अपनी बात रखने का अवसर देकर उनके आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यालय नगर निगम, हजारीबाग				
आम सूचना				
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर विकास एवं आवास विभाग, राज्य शहरी विकास अभिकरण के कार्यालय आदेश संख्या 72, राँची, दिनांक 28/09/2026 के आलोक में हजारीबाग नगर निगम क्षेत्रांतर्गत आंतरिक राजस्व, होलिंग टैक्स/जल कर/ट्रेड लाइसेंस कर संग्रहण का कार्य राजस्व निरीक्षक / टैक्स कलेक्टरों द्वारा की जाएगी, जिसकी वार्डवार सूची निम्न प्रकार है साथ ही जनसाधारण / करदाताओं की सुविधा के लिए नगर निगम हजारीबाग में जनसुविधा केन्द्र का भी अधिष्ठापन किया गया है। जहाँ 01 से 36 वार्डों से संबंधित कर संग्रहण का कार्य किया जायेगा।				
क्र. सं.	निकाय कर्मी का नाम	पदनाम	आवर्तित वार्ड	मोबाईल नं.
1	विकास कुमार	राजस्व निरीक्षक	08,09,10,18	7677124646
2	हरि शंकर कुमार	राजस्व निरीक्षक	13,14,17,19	9155182348
3	अरविन्द कुमार	राजस्व निरीक्षक	23,29,30,31	7783035506
4	दीपक कुमार सिन्हा	राजस्व निरीक्षक	15,16,25,34	7827867139
5	धर्मेन्द्र प्रसाद	राजस्व निरीक्षक	01,04,20,21	9798465032
6	अजय रवि	राजस्व निरीक्षक	22,26,27,32	9801727070
7	अनिल यादव	टैक्स कलेक्टर	35,36	9523577907
8	उदय राम	टैक्स कलेक्टर	05,06	7991194320
9	सुरज कुमार	टैक्स कलेक्टर	24,28	7992280923
10	राजीव कुशवाहा	टैक्स कलेक्टर	07,33	8581829570
11	प्रदीप गोस्वामी	टैक्स कलेक्टर	02,03	6202392156
12	उदय नारायण सिंह	टैक्स कलेक्टर	11,12	7870086706
13	जन सुविधा केन्द्र नगर निगम हजारीबाग कार्यालय।	-	01 से 36 वार्ड	-
उप नगर आयुक्त नगर निगम हजारीबाग				
PR 391364 (Urban Development and Housing)26-27*D				



सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

महिला क्रिकेट में अमित छाप छोड़ने वाली विदाई

कुछ विदाई ऐसी होती है, जो पद से भले ही हो जाए पर प्रभाव से नहीं होती। हरमनप्रीत कौर की भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी से विदाई भी ऐसी ही है, जो नेतृत्व की अमित छाप छोड़ रही है। तीनों प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने का उनका फैसला भारतीय महिला क्रिकेट में बदलाव की शुरुआत के साथ उस अध्याय का अंत भी है, जिसे इतिहास लंबे समय तक याद रखेगा। हरमनप्रीत कौर अब केवल खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरेंगी। हरमनप्रीत की कप्तानी का सबसे चमकदार पन्ना 2025 का विश्वकप है। हरमनप्रीत उस ऐतिहासिक टीम की कप्तान बनीं, जिसने विश्व मंच पर साबित किया कि भारतीय महिलाएं दबाव में भी इतिहास लिख सकती हैं। घरेलू मैदान पर भारतीय महिला टीम ने पहली बार वनडे विश्व कप का खिताब जीता। यह सिर्फ एक खिताबी जीत नहीं थी, बल्कि उस सोच की जीत थी, जिसमें महिला क्रिकेट को पुरुष क्रिकेट की छाया में नहीं अपनी अलग पहचान के साथ देखा जाने लगा था। उनकी उपलब्धियां विश्वकप तक ही सीमित नहीं रहीं। उनके नेतृत्व में भारत ने एशिया कप और एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जैसी बड़ी सफलताएं हासिल कीं। 2026 के एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतना उनके कप्तानी कार्यकाल का एक शानदार समापन बना। हरमनप्रीत की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों और ट्रॉफियों से परे है। उन्होंने भारतीय बेटियों को भरोसा दिया कि क्रिकेट का मैदान उनका भी उतना ही है, जितना किसी और का। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, निर्भीक फैसलों और कठिन परिस्थितियों में नेतृत्व ने नई पीढ़ी को रास्ता दिखाया। अब स्मृति मंथाना के हाथों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के नेतृत्व की कमान होगी। तीस वर्षीय स्मृति मंथाना पहले भी टीम की उपकप्तान रही हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज से उनके नए दौर की शुरुआत होगी। हर सफल टीम को समय-समय पर नई ऊर्जा, नए विचार और नए नेतृत्व की जरूरत होती है। हालांकि स्मृति पर उस विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती होगी, जिसे हरमनप्रीत ने अपने खून-पसीने से सींचा है। विश्वकप जीतने के बाद अपेक्षाएं बढ़ चुकी हैं। अब भारतीय महिला टीम से लगातार विश्व क्रिकेट में दबदबे की उम्मीद होगी। हरमनप्रीत ने कप्तानी छोड़ी है, भारतीय क्रिकेट नहीं। यही इस विदाई की सबसे खूबसूरत बात है। कप्तान के रूप में उनकी पारी खत्म हुई है, खिलाड़ी के रूप में कहानी अभी बाकी है। संभव है, आने वाले वर्षों में मैदान पर बल्ला थामे हरमनप्रीत फिर कोई ऐसी पारी खेलें, जो नई पीढ़ी को बताए कि महान खिलाड़ी अलग ही छाप छोड़ने वाले होते हैं। भारतीय महिला क्रिकेट को हरमनप्रीत ने केवल ट्रॉफियां नहीं दीं, आत्मविश्वास भी दिया है। अब स्मृति की बारी है कि उस आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

सार्वजनिक परिवहन के साधन बढ़ाना बड़ी जरूरत

देश के तमाम बड़े शहर वाहनों की रेलमपेल व जाम की समस्या से ग्रस्त हैं। शहरों में दर्जनों फ्लाइओवर भी इस समस्या का समाधान नहीं कर पा रहे। इस समस्या के बीच नेशनल स्टेटिस्टिक्स ऑफिस की ओर से देश में पहली बार किए गए नेशनल हाउसहोल्ड ट्रेवल सर्वे के परिणाम चौंकाने वाले और चिंता में डालने वाले भी हैं। सर्वे कहता है कि हमारे देश में सिर्फ 15 प्रतिशत लोग ही काम पर आवागमन के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवा का उपयोग करते हैं। बाकी लगभग 50 प्रतिशत कार या दुपहिया वाहन का उपयोग करते हैं और शेष 35 फीसदी पैदल या साइकिल से चलते हैं। अगर हम दुनिया के दूसरे देशों से हमारी तुलना करें तो इस दौड़ में हम अभी बहुत पीछे हैं। ये किसी से छिपा नहीं है कि आज देश के बड़े शहर ट्रैफिक और पार्किंग संकट की लाइलाज बीमारी से जूझ रहे हैं। हर साल वाहनों की तेज गति से बढ़ती रफ्तार हमारे शहरों को ट्रैफिक की समस्या से तो रूबरू करा ही रही है, बढ़ता प्रदूषण भी बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रहा है। भारत की तुलना में अधिक समृद्ध देश जैसे ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, हॉलैंड, स्पेन, इटली, जापान और सिंगापुर इस मामले में हमसे बहुत आगे हैं। इन देशों में 90 फीसदी से अधिक लोग काम पर जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब दूसरे देश मेट्रो बस अथवा अन्य साधनों का इस्तेमाल करते हैं तो हम क्यों नहीं? क्या हमारी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ नहीं है अथवा हमें अपने वाहनों का इस्तेमाल करना अधिक सुविधाजनक लगता है। कारण एक नहीं दोनों हैं। दूसरे देशों की तुलना में 145 करोड़ जनसंख्या वाले हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं है। ट्रैफिक से जुड़ी प्रदूषण की समस्या से छुटकारा पाने के लिए देश की राजधानी में कुछ समय पहले ऑड एंड ईवन व्यवस्था लागू की गई थी। यानी आधे वाहन एक दिन सड़कों पर उतरें तो शेष अगले दिन। लेकिन यह व्यवस्था भी शीघ्र दम तोड़ गई। जिस गति से वाहनों की संख्या बढ़ रही है, वह भविष्य की तस्वीर को लेकर चिंता पैदा करने वाली है। इससे निपटने के ठोस उपाय अभी तलाशने पड़ेंगे। सबसे बेहतर विकल्प तो यही है कि शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए बस सेवाओं को मजबूत बनाया जाए। दूसरा उपाय स्कूलों, दुकानों और सरकारी-निजी कार्यालयों के समय भी शिफ्टों में किए जा सकते हैं। इससे सुबह और शाम के समय लगने वाले जाम से मुक्ति मिल सकती है। इसके साथ-साथ प्रदूषण से भी मुक्ति मिल सकती है। दुनिया के दूसरे देशों की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का अध्ययन करके उससे भी कुछ सीख ली जाए तो देश एक बड़ी समस्या के निदान की तरफ सकारात्मक कदम उठा सकता है।

बदलते युद्ध में वायु शक्ति की भूमिका

1947-48, 1965 और 1971 के युद्धों से लेकर कारगिल संघर्ष तक वायुसेना ने अपनी भूमिका साबित की है। समय के साथ युद्ध का स्वरूप बदला है और अब केवल पायलट की वीरता या विमान की गति निर्णायक नहीं होती। आधुनिक युद्ध में रडार, उपग्रह, ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, लंबी दूरी की मिसाइलें, सुरक्षित संचार और रियल टाइम सूचना भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई हैं। इसलिए आज वायुशक्ति का अर्थ केवल लड़ाकू विमानों की संख्या नहीं, बल्कि एक संपूर्ण और परस्पर जुड़ी हुई युद्ध प्रणाली है। इसलिए भविष्य की भारतीय वायुशक्ति में लड़ाकू विमानों के साथ एयरबोर्न अली वॉर्निंग सिस्टम, हवा में ईंधन भरने वाले विमान, ड्रोन, मिसाइल और मजबूत एयर डिफेंस नेटवर्क की भूमिका बढ़ने वाली है।

अनुज आचार्य	
	
नभः स्पर्श दीप्तम अर्थात् गौरव के साथ आकाश को छूना । भारतीय वायुसेना का यह ध्येय वाक्य केवल शब्द नहीं, बल्कि उस अदम्य संकल्प का प्रतीक है जिसमें साहस, शौर्य, तकनीकी दक्षता और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति सर्वोच्च समर्पण निहित है।	
इसकी प्रेरणा श्रीमद्भगवद्गीता के 11वें अध्याय के उस प्रसंग से जुड़ी है जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप का वर्णन करते हुए उनके तेजोमय स्वरूप के आकाश को स्पर्श करने का उल्लेख मिलता है। यही भाव भारतीय वायुयोद्धाओं के साहस और कर्तव्यनिष्ठा में दिखाई देता है, जो हर परिस्थिति में देश के आकाश को सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। 8 अक्टूबर 1932 को अस्तित्व में आई भारतीय वायुसेना वर्ष 2026 में अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। छह अधिकारियों और 19 एयरमैन से शुरू हुई इसकी यात्रा आज आधुनिक लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, परिवहन विमानों, रडार, मिसाइलों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों और नेटवर्क आधारित युद्ध क्षमता से लैस एक महत्वपूर्ण सामरिक शक्ति में बदल चुकी है। आज भारतीय वायुसेना में 1.40 लाख से अधिक सक्रिय सैन्यकर्म हैं। वायुसेना दिवस आत्ममंथन का भी दिन है कि बदलते युद्ध के दौर में हमारी वायुशक्ति किनी तैयार है और आने वाली चुनौतियों के लिए हमें क्या करना होगा। भारतीय वायुसेना की उपलब्धियों का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है।	
1947-48, 1965 और 1971 के युद्धों से लेकर कारगिल संघर्ष तक वायुसेना ने अपनी भूमिका साबित की है। समय के साथ युद्ध का स्वरूप बदला है और अब केवल पायलट की वीरता या विमान की गति निर्णायक नहीं होती। आधुनिक युद्ध में रडार, उपग्रह, ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, लंबी दूरी की मिसाइलें, सुरक्षित संचार और रियल टाइम सूचना भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई हैं। इसलिए आज वायुशक्ति का अर्थ केवल लड़ाकू विमानों की संख्या नहीं, बल्कि एक संपूर्ण और परस्पर	

पत्रकारिता और सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर

आज अनेक युवा कैमरे के सामने लोकप्रिय होने की होड़ में अपनी भाषा, पहनावे और व्यवहार को कृत्रिम रूप से बदल रहे हैं। हैलो गाइज, लाइक, शेयर और सब्सक्राइब करना मत भूलना, जैसे वाक्य आज एक नई डिजिटल संस्कृति का हिस्सा बन चुके हैं।

उमा ठाकुर

सूचना क्रांति के इस युग में दुनिया हमारी हथेली पर सिमट गई है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने संचार के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। कभी समाचारों के लिए लोगों को अगले दिन का अखबार, रेडियो का निर्धारित बुलेटिन या टेलीविजन के समाचार कार्यक्रमों का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन आज फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एम्स, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर घटनाएं घटने के कुछ ही क्षणों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती हैं। सूचना का यह तीव्र प्रवाह लोकतंत्र के लिए जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इसी डिजिटल क्रांति ने एक नए वर्ग को जन्म दिया है, जिसे आज सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर कहा जाता है। एनफ्लुएंसर समाज का हिस्सा हैं और उनमें से अनेक शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, पर्यावरण, कृषि, पर्यटन, संस्कृति, उद्यमिता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कई प्रतिभाओं को पहचान दिलाई है, छोटे व्यापारियों को बाजार उपलब्ध कराया है और दूरदराज की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल तक पहुंचाया है। लेकिन इसके साथ ही एक ऐसी प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है, जहां बिना तथ्य जांचे, बिना किसी संपादकीय प्रक्रिया और बिना सामाजिक उत्तरदायित्व के सामग्री प्रसारित की जा रही है। यही स्थिति चिंता का विषय है। आज सोशल मीडिया पर कुछ लोग स्वयं को पत्रकार, विश्लेषक या विशेषज्ञ के रूप में प्रस्तुत कर देते हैं, जबकि उनके पास न पत्रकारिता का प्रशिक्षण होता है, न समाचार लेखन की समझ और न ही मीडिया की नैतिक मبادئों का ज्ञान। परिणामस्वरूप अप्रुष्ट सूचनाएं, अंधे-अंधरे तन, भ्रामक शीर्षक और सनसनीखेज वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। इससे अफवाहों का बाजार गर्म होता है और समाज में भ्रम तथा अविश्वास की स्थिति उत्पन्न होती है। यहीं से पत्रकारिता और ब्लॉगिंग अथवा ब्लॉगिंग के बीच अंतर को समझना आवश्यक हो जाता है।

सत्य का साक्षी

श्रीराम शर्मा

इस सृष्टि के कण-कण का विधान परमात्मा के हाथ में है। उसे चाहे अटल नियम कहें, काल कहें, विधाता या परमेश्वर कहें, बात एक ही है। उसे मानना अवश्य पड़ता है, उससे बुद्धि को एक स्थिति प्राप्त होती है। इसके बिना मनुष्य को न तो विश्राम मिलता है और न अहंकार ही छूटता है। बुद्धि भी भ्रमित रहती है। किंतु मनुष्य का निज का भी अपने भाग्य-विधान से कुछ संबंध अवश्य है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मनुष्य स्वाधीन नहीं है, उसका जीवन परमात्मा के विधान के अनुसार ही चलता है। न्याय की दृष्टि
चितन-मनन

ब्लॉगिंग और व्लॉगिंग मुख्यतः व्यक्तिगत विचार, अनुभव, जानकारी या मनोरंजन प्रस्तुत करने का माध्यम हैं। इनमें रचनात्मक स्वतंत्रता अधिक होती है। दूसरी ओर पत्रकारिता केवल सूचना देना नहीं, बल्कि सत्यापित, संतुलित, निष्पक्ष और जनहितकारी सूचना समाज तक पहुंचाने की जिम्मेदारी है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इसलिए कही जाती है क्योंकि उसका उद्देश्य केवल खबर देना नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल करना, समाज की आवाज बनना और सत्य को तथ्यों के आधार पर सामने लाना होता है। पत्रकार बनने के लिए केवल कैमरा या मोबाइल फोन पर्याप्त नहीं होता। पत्रकारिता एक विधा है, जिसका अपना इतिहास, सिद्धांत, आचार संहिता, भाषा, कानूनी दायित्व और सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। पत्रकारिता के विद्यार्थी वर्षों तक समाचार लेखन, संपादन, मीडिया कानून, प्रेस नैतिकता, जनसंचार सिद्धांत, फोटो पत्रकारिता, रेडियो पत्रकारिता, टीवी पत्रकारिता, डिजिटल पत्रकारिता और मीडिया अनुसंधान का अध्ययन करते हैं। किसी भी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले तथ्य जांचना, संबंधित पक्ष का मत लेना, दस्तावेजों की पुष्टि करना और कानूनी पहलुओं का ध्यान रखना पत्रकारिता का मूल आधार है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक और गंभीर चुनौती क्लिकबेट संस्कृति की है। कई बार शीर्षक ऐसा बनाया जाता है जिससे पाठक या दर्शक आकर्षित हो जाए, जबकि वास्तविक सामग्री उससे बिल्कुल अलग होती है। सनसनी फैलाना, भय पैदा करना, आधी जानकारी देना या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करना येलो जर्नलिज्म यानी पीत पत्रकारिता की प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। पत्रकारिता का उद्देश्य कभी भी सनसनी पैदा करना नहीं रहा, बल्कि समाज को तथ्यपरक जानकारी देना रहा है। यह भी समझना आवश्यक है कि सोशल मीडिया और पत्रकारिता एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। आज अधिकांश प्रतिष्ठित समाचार संस्थान भी डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं।

समाचार पत्रों के ई-पेपर, डिजिटल पोटल, यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया अकाउंट इसका प्रमाण हैं। अंतर केवल इतना है कि

जिम्मेदार मीडिया संस्थान समाचार प्रकाशित करने से पहले सत्यापन की प्रक्रिया अपनाते हैं, जबकि व्यक्तिगत सोशल मीडिया अकाउंट पर यह प्रक्रिया प्रायः अनुपस्थित रहती है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन संविधान ने इस स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ा है। किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा या न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली अप्रुष्ट जानकारी साझा करना केवल नैतिक ही नहीं, कई परिस्थितियों में कानूनी प्रश्न भी बन सकता है। इसलिए लोकप्रियता के साथ जिम्मेदारी का बढ़ना स्वाभाविक है। हिमाचल प्रदेश जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य में सोशल मीडिया का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। एक ओर स्थानीय कलाकार, लोकगायक, हस्तशिल्पी, बुनकर, किसान और युवा उद्यमी फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब के माध्यम से अपनी प्रशिक्षा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिला रहे हैं। किन्नौर शांल, कुल्लू की टोपी, चंबा रूमाल, सिरमौर और शिमला की पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य, लोकसंगीत, मेले, देव परंपराएं और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को डिजिटल माध्यम से नई पहचान मिली है।

यह सोशल मीडिया का सकारात्मक पक्ष है। दूसरी ओर, रीलस और शॉर्ट वीडियो की संस्कृति ने जीवनशैली और सामाजिक व्यवहार को भी प्रभावित किया है। आज अनेक युवा कैमरे के सामने लोकप्रिय होने की होड़ में अपनी भाषा, पहनावे और व्यवहार को कृत्रिम रूप से बदल रहे हैं। हैलो गाइज, लाइक, शेयर और सब्सक्राइब करना मत भूलना, जैसे वाक्य आज एक नई डिजिटल संस्कृति का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें कोई बुराई नहीं है, यदि सामग्री ज्ञानवर्धक, रचनात्मक या मनोरंजक हो, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब लोकप्रियता के लिए अश्लीलता, अभद्र भाषा, खतरनाक स्टंट, निजी जीवन का अनावश्यक प्रदर्शन या सामाजिक मूल्यों की अनदेखी की जाने लगे। इसलिए तथ्य, भाषा, संतुलन और नैतिकता सर्वोपरि होनी चाहिए।

आपके पत्र

चला गया पर्दे का दबंग और जिंदगी का फकीर

नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की आयु में गोवा स्थित आवास पर कार्डियक अरेस्ट के बाद निधन हो गया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने के लिए सीपीआर की कोशिश की, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। भारतीय सिनेमा ने 8 अक्टूबर को एक ऐसे कलाकार को खो दिया जिसकी पहचान केवल अभिनेता के रूप में नहीं, बल्कि अपने दमदार व्यक्तित्व, बेबाक आवाज और सादगी भरे जीवन के कारण भी थी। नाना पाटेकर का जाना हिंदी और मराठी सिनेमा के उस दौर का अवसान है जिसमें अभिनेता केवल चेहरे से नहीं, अपने अभिनय की ताकत से पहचाना जाता था।

1978 में फिल्म गमन से बड़े पर्दे पर कदम रखने वाले नाना ने लगभग पांच दशक के करियर में अलग-अलग रंगों के किरदार निभाए। उन्हें कई पुरस्कार भी मिले। वह पर्दे पर दबंग तथा जिंदगी में फकीर जैसे थे।

मनीष विश्वास, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक :** लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरवी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा।
फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028
website : **www.metrorays.in**
email : **metrorays.ranchi@gmail.com**



नाबालिग से दुष्कर्म प्रयास का मामला पुलिस ने शुरू की जांच

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घटना करीब एक माह पुरानी बताई जा रही है। बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के दिनाजपुर जिले के हरिरामपुर स्थित अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इलाज के दौरान चिकित्सक को घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मामले में हरिरामपुर थाना पुलिस की ओर से ऑनलाइन जौरो एफआईआर संख्या 04/2026 दर्ज की गई। चूंकि घटना का क्षेत्र राधानगर थाना क्षेत्र से संबंधित बताया गया, इसलिए प्राथमिकी को क्षेत्राधिकार के आधार पर राधानगर थाना भेज दिया गया।जौरो एफआईआर प्राप्त होने के बाद राधानगर पुलिस ने मामले में थाना कांड संख्या 357/26 दर्ज करते हुए अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है। पुलिस की टीम पीड़ित पक्ष से घटना के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाने के साथ ही प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों और घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने मामले की जांच के क्रम में एक नाबालिग से भी पूछताछ की है। हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों की जांच की जा रही है। अनुसंधान के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों और बयानों के आधार पर ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल राधानगर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

अज्ञात युवक का शव मिलने से हड़कंप जाँच में जुटी पुलिस

साहिबगंज/पतना : बोते दिन को रांगा थाना क्षेत्र के पतना चौक स्थित शराब दुकान के समीप गुरुवार को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के भुगतान की मांग को लेकर वर जुट गई। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी रंगा थाना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के लोगों से युवक के संबंध में पूछताछ की, लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी। प्रारंभक जानकारी के अनुसार मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही है।पुलिस ने शव की पहचान कराने का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस युवक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

बकाया कमीशन भुगतान को लेकर पीएमओ ने राज्य सरकार को भेजा पत्र

साहिबगंज : फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के 81 वर्षीय जिला सचिव राम लखन भगत ने डीलरों के 11 महीने से लंबित कमीशन के भुगतान की मांग को लेकर 13 अगस्त 2026 की प्रधानमंत्री कार्यालय पीएमओ नई दिल्ली को पत्र भेजा था। पीएमओ ने मामले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 14 अगस्त को राज्य सरकार को आवश्यक कार्रवाई कर डीलरों के बकाया भुगतान की दिशा में कदम उठाने का पत्र भेजा है।पीएमओ को भेजे पत्र में राम लखन भगत ने बताया कि उनकी उम्र 81 वर्ष है और उनके जैसे कई बुजुर्ग डीलर हैं जिन्हें वर्षों से कार्य करने के बावजूद कमीशन का भुगतान समय पर नहीं मिल पा रहा है।उन्होंने गुजरात समेत अन्य राज्यों में डीलरों को प्रतिमाह 30 हजार रुपये तक मानदेय दिए जाने का उल्लेख करते हुए झारखंड के डीलरों के बकाया कमीशन के भुगतान की मांग उठाई थी।एसोसिएशन ने बताया कि केंद्र सरकार की कार्रवाई और प्रदेश नेतृत्व के प्रयास से डीलरों को चार महीने का लंबित कमीशन भुगतान किया गया है।जिला अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह ने इस पहल के लिए बयोवृद्ध जिला सचिव राम लखन भगत के सफल प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।उन्होंने कहा कि संगठन डीलरों के हक और अधिकार की लड़ाई लगातार लड़ता रहेगा।साथ ही प्रदेश नेतृत्व एवं प्रदेश महासचिव ज्ञान देव झा के सहयोग के प्रति भी आभार जताया और भविष्य में संगठनात्मक कार्यों में इसी तरह सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माताजी के निधन पर आकाश पांडेय ने जताया शोक

साहिबगंज : एफजेसीसीआई संधाल परगना प्रमंडल के उपाध्यक्ष आकाश पांडेय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माताजी के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।प्रेस विज्ञापित जारी कर उन्होंने कहा कि माताजी के निधन की खबर से वे मर्माहत हैं।हनु मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पूरे सोरेन परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है।आकाश पांडेय ने कहा कि पिछले वर्ष दिशिम पुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद आ माताजी के निधन से सोरेन परिवार को लगातार गहरा व्यक्तिगत आघात पहुंचा है।उन्होंने दिवंगत रूपी सोरेन को नमन करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की चड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

अग्रसेन जयंती उत्सव में प्रतियोगिताओं का दौर, प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

हजारीबाग : मारवाड़ी अग्रवाल समाज की ओर से महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय अग्रसेन जयंती उत्सव के तहत अग्रसेन भवन सभागार में विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक की प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर देने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रमों में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इसी क्रम में शतरंज, मेहंदी लेखन, नृत्य और प्रांप गेम प्रतियोगिता आयोजित हुई। शतरंज की खुली श्रेणी में कृष्णा अग्रवाल प्रथम और कृष् अग्रवाल द्वितीय रहे। कक्षा नौवीं से नीचे के विद्यार्थियों की श्रेणी में रावजीत गोयल ने पहला और वेदश अग्रवाल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। मेहंदी लेखन में नम्रता अग्रवाल प्रथम, सोनाली बंसल द्वितीय और टिया अग्रवाल तृतीय रहीं।

नृत्य प्रतियोगिता को तीन समूहों में बांटा गया। गुप ए में अग्रवाल बाशका प्रथम, अर्दित अग्रवाल द्वितीय और गुप अग्रवाल तृतीय रहीं। गुप बी में पुषा अग्रवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अक्षत बगड़िया और विदित अग्रवाल ने भी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। गुप सी में इशी अग्रवाल प्रथम, नभया खेमका और अनन्या खेमका द्वितीय तथा शनया अग्रवाल अग्रवाल तृतीय रही। प्रांप गेम प्रतियोगिता में चंदा तिबरेवाल विजेता बनीं।

जयंती संयोजक सीए विनीत अग्रवाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जयंती का उद्देश्य समाज के लोगों को एक मंच पर जोड़ना, आपसी सद्भाव मजबूत करना और नई पीढ़ी को समाज की परंपराओं एवं संस्कारों से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि सात दिवसीय आयोजन में बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ सदस्यों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।

मीडिया प्रभारी अभिषेक चौधरी अग्रवाल ने कहा कि अग्रसेन जयंती उत्सव समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक है। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों की 11 अक्टूबर को आयोजित मुख्य जयंती समारोह में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग कर रहे समाज के सभी सदस्यों और प्रतिभागियों के प्रति आभार जताया।

छह माह से पेंशन के इंतजार में दिव्यांग लाभुक, आर्थिक तंगी से जूझ रहे खुशबुदीन

पेंशन की राशि से ही चलता है जरूरी खर्च, विभाग से बकाया भुगतान की लगाई गुहार

संवाददाता
साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के कटहल बाड़ी गांव के एक दिव्यांग लाभुक पिछले करीब छह माह से पेंशन की राशि मिलने का इंतजार कर रहे हैं। लंबे समय से पेंशन नहीं मिलने के कारण उनके सामने रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ दवा और अन्य आवश्यक खर्चों को लेकर आर्थिक परेशानी खड़ी हो गई है। पीड़ित लाभुक खुशबुदीन शेख ने

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने की बरहरवा के नए थाना प्रभारी से शिष्टाचार मुलाकात

संवाददाता
साहिबगंज/बरहरवा : कांग्रेस प्रखंड महासचिव निताय सरकार ने गुरुवार को बरहरवा थाना पहुंचकर थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव से शिष्टाचार मुलाकात की।इस दौरान उनके साथ कार्यकारी 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास और कालू पंचायत के कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष वासिम अकरम भी मौजूद रहे।सर्वप्रथम सबों ने मिलकर नवपदस्थापित थाना प्रभारी को डायरी देकर स्वागत एवं सम्मानित किया।मुलाकात के दौरान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था,सामाजिक सौहार्द और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार ने थाना प्रभारी को उनके दायित्वों के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि



समाज में शांति,सुख्शा और आपसी समन्वय बनाए रखने में पुलिस की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है।उन्होंने कहा कि पुलिस और आम नागरिकों के बीच बेहतर संवाद और सहयोग से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता को भी

बढ़ावा मिलता है। वहीं थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव ने भी नागरिकों के सहयोग को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक बताते हुए सकारात्मक सहभागिता की अपील की। उन्होंने प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

रामगढ़ : थाना चौक स्थित रोटरी क्लब परिसर में बुधवार को लोक जनशक्ति पार्टी एवं दलित सेना के संस्थापक, पद्मभूषण से सम्मानित जननेता स्वर्गीय रामविलास पासवान की छठी पुण्यतिथि श्रद्धा और भावपूर्ण स्मरण के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोजपा रामविलास के रामगढ़ जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता ने की। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव केवल पासवान, अर्जुन पासवान, महिला प्रधान महासचिव बीनू राय, जिला महासचिव श्याम चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र नायक समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने स्वर्गीय रामविलास पासवान के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए। इसके बाद उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिमट का मौन रखा गया। प्रदेश सचिव केवल पासवान और अर्जुन पासवान ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान का संघर्षमय

जीवन, सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण तथा गरीब, शोषित और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किया गया योगदान हमेशा याद किया जाएगा। उनके विचारों और आदर्शों को जनसेवा के माध्यम से आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता ने कहा कि रामविलास पासवान का जीवन जनसेवा, संघर्ष और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक मिसाल रहा है। पार्टी कार्यकर्ता उनके विचारों और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम में अजीत विष्वकर्मा, ऋषिकेश पांडा, विवेकानंद शर्मा, सुरेश प्रसाद मेहता, ऋषि वर्मा, राहुल कुमार, बेदिया, झूलन पासवान, सुखदेव मेहता, राजा नायक, आशीष गंडू, संजय पासवान, रवि नायक, अंश कुमार, सागर कुमार, गौतम कुमार, मिथिलेश कुमार, उदय कुमार, कौति देवी, सुमित्रा देवी, सोनू कुमार, नैना कुमारी, सरिता देवी, रमित कुमार, सरवन नायक, अंकित चंद्रवंशी, जितेन कुमार, बंटी पासवान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित

बच्चों के बीच पौष्टिक आहार व पाठ्य सामग्री का वितरण सेविका-सहायिका सम्मानित

संवाददाता
साहिबगंज : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत सोमवार को साहिबगंज ग्रामीण मंडल के जयंतigram भाग-2 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल ने की।मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव व जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव उपस्थित रहे।इस दौरान सेविका सरस्वती देवी एवं सहायिका अनीता देवी को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया



गया।कार्यक्रम में बच्चों के बीच पौष्टिकआहार फल, केला,बिस्कुट,मिठाई,कांपी,पेंसिल एवं अन्य

पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बजरंगी प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समाज के सभी वर्गों को

साथ लेकर चलने तथा देश के विकास के प्रति उनकी दूरदर्शी सोच पर प्रकाश डाला।उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के

संवाददाता

बरकट्टा : पंचमाधव स्थित आइलेक्स पब्लिक स्कूल में नवरात्र से पहले बच्चों ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का रूप धारण कर विद्यालय परिसर को भक्ति और आस्था से गुंजा दिया। बच्चों के आकर्षक रूप और मनमोहक प्रस्तुतियों से ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो मां दुर्गा का दरबार आइलेक्स विद्यालय के प्रांगण में ही सज गया हो। चारों ओर भक्तिमय वातावरण और उत्साह का माहौल बना रहा। बच्चों का उत्साह और उमंग देखते ही बन रहा था। मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों में सजे बच्चों के चेहरे की खुशी और आंखों की चमक देखते ही बन रही थी। इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और नवरात्र के धार्मिक महत्व से परिचित कराने का प्रयास किया गया। विद्यालय की ओर से बताया गया कि बच्चों का सर्वांगीण विकास केवल किताबों तक सीमित नहीं होता। जब बच्चे अपनी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों को गतिविधियों के माध्यम से सीखते और अनुभव करते हैं, तो उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता, अभिव्यक्ति की क्षमता, संस्कार और सामाजिक समझ का विकास होता है। इसी उद्देश्य से विद्यालय में इस तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। मां दुर्गा के सभी नौ स्वरूपों

में बच्चों को विद्यालय की मैनेजर डॉ. सुषमा भारती ने स्वयं तैयार किया। उनकी मेहनत और मार्गदर्शन से बच्चों का रूप अत्यंत आकर्षक और जीवंत नजर आया। आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर में श्रद्धा और उत्साह का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर डॉ. सुषमा भारती ने कहा कि बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना बेहद जरूरी है। ऐसे आयोजन बच्चों को केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक जानकारी ही नहीं देते, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और अपनी विरासत के प्रति सम्मान की भावना भी विकसित करते हैं। संस्कृति केवल सिखाई नहीं जाती, बल्कि उसे बच्चों के साथ जीया और अनुभव किया जाता है। वहीं विद्यालय के निदेशक डॉ. शैलेश कुमार ने कहा कि आइलेक्स पब्लिक स्कूल में शिक्षा के साथ बच्चों के संस्कार, व्यक्तित्व और रचनात्मक प्रतिभा के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। नवरात्र जैसे पर्व बच्चों को भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा से जोड़ने का बेहतर माध्यम है। ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति गर्व की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी बच्चों और शिक्षकों की सराहना की।

मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट होगी ओपीडी, सी-आर्म मशीन की समस्या भी जल्द होगी दूर

आथोपैडिक विभाग में एक माह से अधिक समय से खराब पड़ी सी-आर्म मशीन का मुद्दा भी उन्होंने उठाया गया। रंजन चौधरी ने खराब मशीन को तत्काल दुरुस्त कराने के साथ-साथ एक अतिरिक्त नई सी-आर्म मशीन उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि मशीन खराब होने की स्थिति में भी मरीजों की सुरक्षा को सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार वर्मा से खास मुलाकात की। इस दौरान उनके द्वारा अस्पताल की गंभीर और ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने कहा कि अस्पताल की व्यवस्थागत कमियों और प्रबंधन स्तर पर बरती जा रही लापरवाही के कारण मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ट्रॉमा सेंटर जैसे संवेदनशील और आपातकालीन विभाग में जूनियर रेजिडेंट चिकित्सकों के साथ 24 घंटे सातों दिन सीनियर फिजिशियन और सीनियर सर्जन की अनिवार्य ड्यूटी सुनिश्चित करने की मांग की। इससे गंभीर मरीजों को अनावश्यक रूप से रिस्म में रैफर करने की जरूरत कम होगी और उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ही बेहतर इलाज मिल सकेगा।

अपग्रेडेड शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल से मेडिकल कॉलेज परिसर में शिफ्ट करने की दिशा में पहल की जाएगी। सी-आर्म मशीन के मामले में प्राचार्य ने आथोपैडिक डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. शंकर निवास से बात कर खराब मशीन को तत्काल दुरुस्त कराने और जरूरतमंद मरीजों के ऑपरेशन तत्काल शुरू कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि एक नई सी-आर्म मशीन की खरीदारी की प्रक्रिया भी चल रही है। उम्मीद है कि एक- दो दिन में ही सी- आर्म मशीन की समस्या का हल हो जाएगा और जरूरतमंदों का ऑपरेशन भी संभव हो सकेगा। ट्रॉमा सेंटर में 24 घंटे सातों दिन सीनियर फिजिशियन और सीनियर सर्जन की ड्यूटी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का भी प्राचार्य ने सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को भरोसा दिया। द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और उन्हें कलमबद्ध करते हुए संबंधित स्तर पर तत्काल कारात्मक पहल का आश्वासन दिया। इस दौरान रंजन चौधरी के साथ विशेषरूप से हजारीबाग के भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजकरण पांडेय, पत्रकार दीपक सिंह, अनुज सिन्हा, रूपेश दास, उमंग सोनी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

स्वास्थ्य,पोषण व प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने पर जोर दिया।उपस्थित लोगों को बच्चों का समय पर टीकाकरण कराने,पौष्टिक आहार देने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के लिए जागरूक किया गया।इस दौरान स्थानीय लोगों ने पेयजल की समस्या से भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव को अवगत कराया।ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए बजरंगी प्रसाद यादव ने संबंधित विभागीय अधिकारी से फोन पर बातचीत कर जल्द पेयजल समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के पोषण,स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ जरूरतमंद वर्गों तक सेवा कार्य पहुंचाने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल,महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता देवी,मंत्री किरण देवी, बृथ अध्यक्ष राजेश रविदास, शिवनारायण मंडल,कृष्णा शर्मा, ललन सिंह सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

पायलट स्मित मच्छार को मिलेगा इजरायल का राष्ट्रपति पुरस्कार, फ्लाईडुबई की फ्लाइट में दिखाई थी बहादुरी



तेल अवीव **:** इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोंग ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को बहादुरी के लिए सम्मानित करने का ऐलान किया है। उन्हें यह सम्मान दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईडुबई की उड़ान में कथित तौर पर विमान को हाईजैक करने की कोशिश के दौरान दिखाई गई बहादुरी के लिए दिया जाएगा। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद स्मित मच्छार ने सुझबुझ और पेशेवर कौशल का परिचय देते हुए एक बड़े हादसे को टालने में अहम भूमिका निभाई।

राष्ट्रपति हर्जोंग ने 8 अक्टूबर 2026 को छह इजरायली नागरिकों को बहादुरी के लिए सम्मानित करते हुए भारतीय पायलट को भी पुरस्कार देने की घोषणा की। इन नागरिकों ने 30 सितंबर को फ्लाइट 38073 में संकट के दौरान साहस दिखाया था। हर्जोंग ने कहा कि स्मित मच्छार की पेशेवर सुझबुझ ने बड़ी त्रासदी को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पायलट के जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद जताई और कहा कि उनकी सेहत में सुधार होने पर वह उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेसिडेंशियल अवार्ड फॉर सिविलियन हीरोइज्म प्रदान करेंगे।

यह पुरस्कार 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमاس के हमले के बाद शुरू किया गया था। इसके जरिए उन नागरिकों को सम्मानित किया जाता है, जो खतरनाक परिस्थितियों में दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

इस घटना के दौरान बहादुरी दिखाने वाले छह इजरायली नागरिकों ज्विका और ताली मानेस, यानीव हायुन, डॉ. शोता मुसायेव, असाफ राजुआन और ओर पारदिलोव को भी सम्मानित किया गया।

जानकारी के मुताबिक, 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइट एफजे1 073 उस समय गंभीर संकट में फंस गई, जब ओमान के को-पायलट हम्म अल-हम्मामी ने कथित तौर पर कॉकपिट में रखी कुल्हाड़ी से स्मित मच्छार पर हमला कर दिया और विमान पर कब्जा करने की कोशिश की।

बताया जाता है कि आपात स्थिति के दौरान विमान महज 30 सेकंड से कुछ अधिक समय में करीब 16,000 फीट नीचे आ गया था। इस दौरान यात्रियों की जान पर खतरा मंडराने लगा।

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद स्मित मच्छार कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। इससे छह यात्री अंदर पहुंच सके और को-पायलट को काबू करने में मदद कर सके। इसके बाद विमान में सफर कर रहे दो ऐसे पायलट, जो उस समय ड्यूटी पर नहीं थे, उन्होंने विमान का नियंत्रण संभाल लिया।

विमान का रुख सऊदी अरब के तबुक की ओर मोड़ा गया, जहां उसकी आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। इस घटना में स्मित मच्छार की भूमिका को बड़ी त्रासदी टालने में अहम माना जा रहा है। अब उनके स्वस्थ होने के बाद इजरायल के राष्ट्रपति उन्हें व्यक्तिगत रूप से सम्मानित करेंगे।

आईएसएस गौरव यादव पंजाब के रेगुलर डीजीपी नियुक्त, 2 साल के लिए दी गई जिम्मेदारी



चंडीगढ़: पंजाब सरकार ने 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी गौरव यादव को राज्य का नियमित पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। वह जुलाई 2022 से कार्यवाहक डीजीपी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। गृह विभाग की ओर से 9 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, राज्यपाल ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

स्थायी डीजीपी की नियुक्ति के लिए पंजाब सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को 14 आईपीएस अधिकारियों के नाम भेजे थे। इसके बाद यूपीएससी ने 1 जुलाई 2026 को तीन अधिकारियों का पैनेल राज्य सरकार को भेजा था। इसमें गौरव यादव के अलावा डॉ. शरद सत्य चौहान और हरप्रती सिंह सिद्ध के नाम शामिल थे।

न्यूनतम दो साल का होगा कार्यकाल: सरकारी आदेश के मुताबिक, गौरव यादव का कार्यकाल कार्यभार संभालने की तारीख से कम से कम दो साल का होगा। यह नियुक्ति पुलिस सुधारों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक शेखर के हस्ताक्षर से जारी आदेश की प्रतियां आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित केंद्रीय और राज्य स्तरीय विभागों को भेज दी गई हैं।

थर्मैक्स ने लॉन्च की इंटेलिजेंट बॉयलर और हीटर की नई रेंज थर्मैक्स-आई सीरीज



रांची: ऊर्जा और पर्यावरण समाधान क्षेत्र की प्रमुख कंपनी थर्मैक्स ने इंटेलिजेंट बॉयलर और हीटर की नई रेंज थर्मैक्स-आई सीरीज लॉन्च की है। इसका पहला उत्पाद अल्ट्राई क - आई इंटेलिजेंट बायोमास-फायरड बॉयलर है, जो ईंधन की गुणवत्ता, तापमान और उत्पादन की जरूरत में बदलाव को पहचानकर अपना प्रदर्शन बेहतर करता है। कंपनी के अनुसार, पायलट प्रोजेक्ट्स में इससे 10 प्रतिशत तक ईंधन की बचत देखी गई है। यह तकनीक परिचालन लागत और कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद कर सकती है। थर्मैक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ आशीष भंडारी ने कहा कि यह तकनीक खासतौर पर बायोमास जैसे ईंधन के मामले में उपयोगी हो सकती है। एक कंट्रोल तकनीक को मौजूदा बॉयलर में भी लगाया जा सकता है, जिससे उपकरण बदले बिना बेहतर प्रदर्शन और इंटेलिजेंट कंट्रोल की सुविधा मिल सकती है।



नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने मोबाइल संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से जनता का लाखों करोड़ रुपया गलत हाथों में जाने से बचाया है और बहुतां की मुफ्त की कमाई बंद की है और ऐसे ही लोग अब उनका विरोध कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि मैंने गलत कामों को बंद करने की ठान रखी है और ऐसा करके रहेंगे, चाहे उनका विरोध करने वाले कितना ही शोर क्यों न करें। श्री मोदी यहां यशोभूमि में भारत मोबाइल कांग्रेस-2026 का औपचारिक

भारत मोबाइल कांग्रेस-2026 का उद्घाटन करते हुए बोले पीएम मोदी

गलत काम बंद करवाने की ठान चुका हूं,बंद कर के रहूंगा

42 पूर्व जज एसआईआर के समर्थन में, देश के नाम खुला पत्र चुनाव आयोग कमजोर करने की कोशिश के खिलाफ चेतावनी

नई दिल्ली: चुनाव आयोग के मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर चल रहे प्रदर्शन के बीच देश के 272 नागरिकों और उच्च न्यायपालिका के 42 पूर्व जजों ने एक ओपन लेटर जारी किया है। इस पत्र में चुनाव आयोग और एसआईआर का खुलकर समर्थन किया है। 42 रिटायर्ड जजों के एक ग्रुप ने ओपन लेटर लिखकर चुनाव आयोग को कमजोर करने की किसी भी कोशिश के खिलाफ चेताया है। उन्होंने चुनाव आयोग, ज्यूडिशियरी और दूसरे संवैधानिक संस्थानों को कथित तौर पर कमजोर करने के चल रहे कैपेन पर गहरी चिंता जताई है। पूर्व जजों ने कहा है कि कानून चुनाव आयोग को अधिकार देता है और पिछला एसआईआर दो दशक पहले हुआ था, तब किसी ने भी सवाल नहीं उठाए थे। पूर्व जजों ने विपक्ष के विरोध को माहौल बनाने की सियासत करार दिया है। उन्होंने कहा कि ये सारा शोर मतदाताओं का नहीं, बल्कि वे राजनीतिक दल मचा रहे हैं जो चुनाव जीतने में नाकाम रहे हैं। लेटर में साइन करने वालों ने कहा कि वे पूर्व जजों और संवैधानिक पदों पर काम करने वाले रिटायर्ड लोगों के तौर पर लिख रहे हैं और उनका किसी भी पॉलिटिकल पार्टी के लिए कोई ब्रीफ नहीं है।

युवा कांग्रेस की याचिका पर सुनवाई आज: दिल्ली उच्च न्यायालय में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को अनुमति देने से दिल्ली पुलिस के इनकार करने को चुनौती देने वाली युवा कांग्रेस की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हो सकती है। याचिका युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के माध्यम से संगठन के लीगल सेल के चेयरमैन अधिवक्ता रूपेश सिंह भदौरिया ने दायर की है।



उद्घाटन कर रहे थे। उनका यह बयान ऐसे वातावरण में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जबकि विपक्ष राज्यों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के चुनाव

आयोग के कार्यक्रम को लेकर मोदी सरकार पर दबाव बनाने के लिए जगह जगह- धरने प्रदर्शन कर रहा है और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब सरकार की सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल फोन पर हैं। सरकारी मदद अब सीधे बेनिफिशरीज के खाते में जाती है। डापेरेक्ट बेनिफिट ट्रॉसफर से करीब 50

लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के मोबाइल में भेजे गए और उनके बैंक अकाउंट में पहुंचे और इससे करीब पांच लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं। श्री मोदी ने कहा

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के बीच बोले मुरली मनोहर जोशी

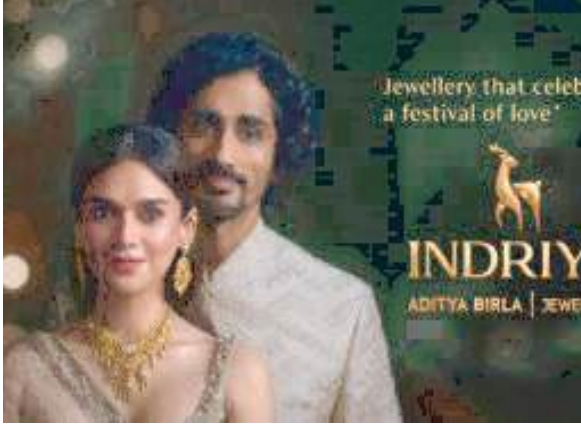
लाठीचार्ज समाधान नहीं बात सुनी जानी चाहिए



नई दिल्ली: मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशभर में हो रहे प्रदर्शन के बीच बीजेपी के दिग्गज नेता मुरली मनोहर जोशी ने एक बड़ा बयान दिया है। गुरुवार को राजधानी दिल्ली में 21वें भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) उच्च शिक्षा सम्मेलन में पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि वह छात्र हमारे बच्चे हैं इनके साथ ऐसा व्यवहार नहीं होना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए श्री जोशी ने कहा कि छात्रों की मांगों को सहानुभूति के साथ सुना जाना चाहिए और लाठीचार्ज करना किसी समस्या का समाधान नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता का यह बयान कहीं न कहीं मोदी सरकार के लिए एक सलाह के रूप में है। मुरली मनोहर जोशी ने कहा है कि छात्रों की उचित या जायज मांगों को हमेशा और बहुत सहानुभूति के साथ सुना जाना चाहिए।

सरकारें जवाबदेह हों और नौकरशाही पारदर्शी हो: एसआईआर पर सवाल पूछे जाने पर श्री जोशी ने कहा कि यदि चुनाव निष्पक्ष हों और नौकरशाही पारदर्शी हो तो जनता द्वारा चुनी गई सरकार खत्म नहीं होनी चाहिए। श्री जोशी ने यह भी कहा कि यदि संविधान का उल्लंघन होता है तो उच्चतम न्यायालय को इस पर गौर करना चाहिए। ज्ञानेश के इस्तीफे की मांग के बारे में पूछे जाने पर श्री जोशी ने कहा कि जनता की, जनता के लिए और जनता द्वारा चुनी गई सरकार धरती से खत्म नहीं होनी चाहिए, बशर्ते चुनाव निष्पक्ष हों, सरकारें जवाबदेह हों और नौकरशाही पारदर्शी हो।

इंद्रिया ने पेश किया दिवाली कैपेन फेस्टिवल ऑफ लव, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ आएंगे नजर



रांची: आदित्य बिरला ज्वेलरी ने दिवाली के लिए फेस्टिवल ऑफ लव कैपेन पेश किया है, जिसमें अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ नजर आएंगे। कैपेन थ्यार, अपनेपन और रिश्तों के खस पलों पर आधारित है। इंदिरा के सीईओ संदीप कोहली ने कहा कि इसका उद्देश्य त्योहारों में रिश्तों की अहमियत को सामने लाना है। इसके साथ कंपनी ने 22 कैरेट सोने का पद्मिका कलेक्शन भी पेश किया है। देवी लक्ष्मी और शुभ शुरुआत से प्रेरित इस कलेक्शन में पारंपरिक गुलाबी मीनाकारी को आधुनिक डिजाइन के साथ जोड़ा गया है। इसमें नेकलेस, इयररिस्स और कंगन शामिल हैं।



बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही भारत ने सऊदी अरब के एयरपोर्ट्स पर हूती हमलों की घोर निंदा की है। गुरुवार को भारतीय विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में हुए हमलों में रियाद के आधा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को

निशाना बनाया गया, जिससे आम नागरिकों को नुकसान पहुंचा है। बयान में भारत ने आम लोगों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आम लोगों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

सऊदी के दो हवाई अड्डों पर हूतियों का हमला, तीन की मौत, जवाब में यमन के 80 ठिकानों पर बमबारी : सऊदी अरब के दो हवाई अड्डों पर हूती विद्रोहियों ने घातक हमला किया। हवाई अड्डों पर ड्रोन और मिसाइल से किए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और 36 लोग घायल हो गए। सऊदी अरब की जनरल अर्थॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने यह जानकारी दी। सऊदी

कैंसर की दवाएं होंगी सस्ती, 70 प्रतिशत तक कम कीमत पर मरीजों को मिलेंगी, सरकार ने लिया बड़ा फैसला



नई दिल्ली: कैंसर उपचार को अधिक किफायती बनाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं की आपूर्ति और बिक्री पर लगने वाले व्यापारिक मार्जिन को सीमित करने को मंजूरी दे दी है। नई व्यवस्था के तहत इन दवाओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) का 30 प्रतिशत मार्जिन ही लिया जा सकेगा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कदम से कई कैंसर दवाओं की कीमतों में 70 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है और मरीजों को हर साल लगभग 2,500 करोड़ रुपए की बचत होगी। इससे इलाज पर होने वाला जेब से खर्च भी काफी घटने की उम्मीद है।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि वर्तमान में आवश्यक कैंसर दवाएं, जो अनुसूचित सूची में शामिल हैं, पहले से ही सरकार द्वारा तय अधिकतम कीमतों के दायरे में आती हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में ऐसी कैंसर दवाएं भी हैं जो इस सूची में शामिल नहीं हैं और उन पर प्रत्यक्ष मूल्य नियंत्रण लागू नहीं होता।

नई व्यवस्था के माध्यम से सरकार इन गैर-अनुसूचित दवाओं पर भी अप्रत्यक्ष मूल्य नियंत्रण लागू करेगी, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों तक पहुंचने से पहले सप्लाय चेन में अत्यधिक मार्जिन न जोड़ा जाए।

सरकार के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

(डीजीएचएस) के अंतर्गत एक विशेषज्ञ समिति उन दवाओं की सूची तैयार करेगी जिन्हें इस व्यवस्था के तहत शामिल किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) अंतिम अधिसूचना जारी करेगा।

बयान में आगे कहा गया है कि भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अनुमान के अनुसार, प्रति एक लाख आबादी पर लगभग 60 लोग कैंसर से प्रभावित हैं। ऐसे में इलाज की ऊंची लागत कई परिवारों के लिए आर्थिक संकट का कारण बन जाती है।

इसके अलावा, एक ही दवा की कीमत खुदरा मेडिकल स्टोर, अस्पताल फार्मसी और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग पाई गई। महाराष्ट्र, राजस्थान और कर्नाटक सहित कई राज्यों के अधिकारियों, मरीज समूहों और सामाजिक संगठनों ने लंबे समय से कैंसर दवाओं की ऊंची कीमतों को लेकर चिंता जताई थी।

मुख्य आपति यह थी कि दवाओं की खरीद कीमत और उपभोक्ताओं से लिए जाने वाले अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के बीच बहुत बड़ा अंतर है। सरकार का मानना ​​है कि नई सीमा लागू होने से अनुचित मुनाफाखोरी पर रोक लगेगी और मरीजों को अधिक न्यायसंगत कीमतों पर दवाएं मिल सकेंगी।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि सरकार ने इस फैसले के पीछे 2019 के अनुभव का भी उल्लेख किया है। फरवरी 2019 में सरकार के निर्देश पर एनपीपीए ने 42 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर व्यापारिक मार्जिन की सीमा तय

की थी। उस समय कुछ दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमतों में 91 प्रतिशत तक कमी आई थी। सरकार के अनुसार, उस कदम से 526 ब्रांडों पर सालाना लगभग 984 करोड़ रुपए की बचत हुई थी और कैंसर मरीजों पर आर्थिक बोझ कम हुआ था।

अब उसी मॉडल को व्यापक स्तर पर लागू करते हुए अधिक दवाओं को मूल्य सुरक्षा के दायरे में लाया जा रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मूल्य नियंत्रण लागू करने के साथ-साथ दवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं का उत्पादन करने वाली कंपनियों को अपने मौजूदा उत्पादन स्तर बनाए रखने होंगे। नई व्यवस्था ब्रांडेड और जेनरिक, दोनों प्रकार की दवाओं पर लागू होगी। इसके अलावा घरेलू और आयातित तथा पेटेंट और गैर-पेटेंट सभी श्रेणियों की दवाएं इसके दायरे में लाई जा सकेंगी।



फरार आरोपी ने पुलिस की दबिश के बाद कोर्ट में किया सरेंडर, जेल भेजा गया

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद थाना परिसर से हथकड़ी और रस्सी समेत पुलिस हिरासत से फरार हुआ बाइक चोरी का आरोपी आखिरकार पुलिस की लगातार दबिश के बाद न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इसकी पुष्टि हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार ने की है। जानकारी के अनुसार, हुसैनाबाद थाना कांड संख्या 198/2026, दिनांक 29 सितंबर 2026 में धारा 303(2) बीएनएस के अप्राथमिकी अभियुक्त रितेश कुमार सिंह (19), पिता अनिल सिंह, ग्राम पिपरा बगाही, थाना कुटुंबा, जिला औरंगाबाद (बिहार) को गिरफ्तार कर 1 अक्टूबर की सुबह करीब 4:15 बजे थाना लाया गया था। उसे हाजत में रखा गया था।

बताया गया कि गुरुवार सुबह करीब 8:10 बजे रितेश ने पेट में तेज दर्द होने की शिकायत की। इलाज के लिए उसे हथकड़ी और रस्सी के साथ हाजत से बाहर निकाला जा रहा था। इसी दौरान उसने सुरक्षा में तैनात चौकीदार को धक्का दिया और हथकड़ी-रस्सी समेत थाना परिसर से फरार हो गया। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछ कर पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह भागने में सफल रहा।घटना के बाद पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी और दबिश शुरू की। पुलिस की बढ़ती कार्रवाई से घिरे आरोपी ने आखिरकार न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

जोड़ गांव में अनियंत्रित होकर पलटा टेंपो,चालक गम्भीर रूप से घायल

मेदिनीनगर : सदर थाना क्षेत्र के जोड़ गांव में बीती रात एक टेंपो नियंत्रित होकर पलट गई |जिसमें टेंपो पर सवार टेंपो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए|टेंपो चालक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के बड़का गांव निवासी अनूप कुमार पांडे उम्र 45 वर्ष के रूप में की गई है |इस घटना के बारे में बताया जा रहा है कि अनूप कुमार पांडे बीती रात करीब 9:00 बजे मेदिनीनगर शहर से टेंपो लेकर अपने घर बड़का गांव जा रहे थे। इसी बीच रास्ते में जोड़ गांव फोर लाइन सड़क के समीप उनकी टेंपो नियंत्रित होकर एक गड्ढे में जाकर पलट गई। जिसमें टेंपो पर सवार अनूप कुमार पांडे गंभीर रूप से घायल हो गए |घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा उन्हें इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया |जहां इलाज के बाद भी उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचकर अपने देख-रेख में घायल अनूप कुमार पांडे का इलाज करवा रहे हैं।

नव पदस्थापित थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक प्रियंका आनंद का हुआ भव्य स्वागत



बिनय मिश्रा : झारखंड की उपराजधानी दुमका के टाऊन थाना की नव पदस्थापित थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक प्रियंका आनंद का थाना में भव्य रुप से स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उन्हें बुके देकर उनका स्वागत किया और कहा कि- उनके योगदान देने के पश्चात से थाना अंतर्गत थाना वासियों में हर्ष व्याप्त है। वहीं नव पदस्थापित थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक प्रियंका आनंद ने कहा कि- लोगों की आकांक्षा और विश्वास पर पूर्ण रूप से खरा उतरूं यही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है पुलिस और आम लोगों के बीच संबंध हमेशा मैत्रीपूर्ण और प्रगाढ़ रहे यह उनकी प्राथमिकता है। प्रियंका आनंद 2012 बैच की पुलिस निरीक्षक हैं और उनकी उपलब्धि ही उनकी सशक्त पहचान है ।

समाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति आंदोलन के प्रणेता थे कांशीराम साहब: शत्रुघ्न

मेदिनीनगर : झारखण्ड क्रांति मंच के बैनर तले आज मेदिनीनगर में बामसेक,डीएसफोर व बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक व भारत में भागेदारी आन्दोलन के अगुवा मा॰कांशीराम साहब जी का 20 वां परिनिर्वाण दिवस झारखण्ड क्रांति मंच पलामू के जिलाध्यक्ष धीरज चन्द्रवंशी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जबकि समाजिक न्याय परिषद के रवि पाल ने संचालन किया।कार्यक्रम में झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक सह केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत में रजिसकी जितनी हिस्सेदारी,उसकी उतनी भागेदारी की वकालत करने वाले बहुजन समाज के अप्रतिम मसीहा व द्वितीय अम्बेडकर के रूप में प्रतिष्ठापित मा॰कांशीराम साहब जी की तस्वीर के समक्ष जेकेएम केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु के नेतृत्व में जेकेएम व विभिन्न संगठनों के नेताओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर सादर नमन व विमन श्रद्धांजलि अर्पित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते थेहुए जेकेएम के केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने साहब कांशीराम जी की पूज्यवार्थि पर याद करते हुए कहा कि हमने मान्यवर कांशीराम जी को छोड़कर किसी भी बहुजन समाज के महापुरुषों को नहीं देखा है। लेकिन यह हमारे लिए गौरव की बात है कि हमने 1990 से मा॰कांशीराम साहब जी के चरणों में बैठकर बहुजन मुभमंट की शिक्षा व दीक्षा ली है।बहुजन छात्र मोर्चा के पलामू जिलाध्यक्ष पद से शुरु हमारा सफर बहुजन समाज पार्टी के तीन बार झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष व दो बार प्रभारी के तौर पर हमने पूरा किया था। साहेब जी ने मुझे सन 1995 में छत्रपुर विधानसभा क्षेत्र से टिकट देकर चुनाव लड़ने के लिए अवसर दिया था, लेकिन चुनाव के लिए एक वर्ष कम उम्र होने के कारण हम नहीं लड़ पाए थे, लेकिन अलग राज्य बनने के बाद साहेब कांशीराम जी ने हमें फिर से छत्रपुर विधानसभा क्षेत्र से टिकट व पार्टी से आर्थिक मदद देकर हमें चुनाव लड़वाया था,उक्त चुनाव में साहेब ने हेलीकाप्टर से छत्रपुर व पाटन हाईस्कूल के मैदान में हमारे समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित भी किया था। निश्चित रूप से साहब जैसा निःस्वार्थी त्यागी, तपस्वी महापुरुष अब मिलना मुश्किल है।|आज जबकि बड़े-बड़े नेता अपने भाई/भतीजे/भतीजी व बेटों को उत्तराधिकारी बनाने में दिन-रात लगे हुए हैं,साहब ने आजीवन अविवाहित रहकर अपने नाम फूटी कौड़ी भी नहीं रखते हुए बहुजन मुभमंट का उत्तराधिकारी अपने किसी रिश्तेदार को नहीं बनाकर एक यून॰पी॰ बादलपुर की रहनेवाली बहन कुमारी मायावती को ही बनाकर एक कीर्तिमान कायम किया,चाहेतो तो स्वयं यूपी का मुख्यमंत्री व रचना कर हमें जानवर से मान्यवर बनने का अधिकार दिया तो उसे उत्तर प्रदेश की जमीन पर प्रायोगिक रुप से सिद्ध कर साहब ने पूरे देश में बहुजन क्रांति का भूचाल पैदा कर दिया था।

झारखंड

चक्रधरपुर नगर परिषद ने रचा इतिहास

अध्यक्ष के प्रयास से हो रहा है जन जन विकास

ज्योति पाठक

चक्रधरपुर नगर परिषद क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। वर्ष 1918 में स्थापित चक्रधरपुर नगर पालिका वर्तमान में नगर परिषद का स्वरूप धारण कर चुकी है। नगर परिषद अध्यक्ष सनी उरांव के निरंतर प्रयास और विकास के प्रति गंभीरता का परिणाम अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है।

चानवरी के निकट से लेकर तंबाकू पट्टी स्थित सरजू होटल तक महत्वपूर्ण सड़क के पक्कीकरण एवं कालीकरण का कार्य तेज गति से चल रहा है। दुर्गा पूजा के पूर्व इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से स्थानीय मोहल्लेवासियों और राहगीरों में खुशी से संतोष का माहौल है। लंबे समय से जर्जर सड़क के कारण लोगों का आवागमन में

पेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

स्थानीय लोगों ने नगर परिषद अध्यक्ष सनी उरांव की पहल की सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। निर्माण कार्य शुरू होने से लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इस संबंध में नगर परिषद अध्यक्ष सनी उरांव ने बताया कि सड़क की जर्जर स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों की लंबे समय से मांग थी कि इसका निर्माण जल्द कराया जाए। नगर परिषद ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए सार्थक पहल की और वर्षों से उपेक्षित इस सड़क के निर्माण कार्य को प्रारंभ कराया।

उन्होंने बताया कि सड़क का निर्माण दो लेयर कालीकरण के साथ किया जा रहा है, जिससे सड़क मजबूत, टिकाऊ और

लंबे समय तक उपयोगी बनी रहे। निर्माण कार्य को जन अपेक्षाओं के अनुरूप बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में नगर परिषद और अध्यक्ष सनी उरांव के प्रति संतोष और प्रसन्नता देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दुर्गा पूजा से पहले सड़क निर्माण की शुरुआत होने से पर्व के दौरान आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी।

कुल मिलाकर, नगर परिषद की इस पहल को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। वर्षों से उपेक्षित सड़क के निर्माण से जहां लोगों को राहत मिलेगी, वहीं नगर परिषद की विकास योजनाओं को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

सारण के दियारा क्षेत्र में घटिया सड़क निर्माण का आरोप, अकीलपुर पंचायत में पांच वर्षों के विकास कार्यों की जांच की मांग

संवाददाता
सारण : सारण जिले के दीघवारा प्रखंड अंतर्गत अकीलपुर पंचायत सहित दियारा क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में ग्रामीण सड़कों की स्थिति को लेकर सवाल उठाए गए हैं। ग्रामीणों की ओर से आरोप लगाया जा रहा है कि कई स्थानों पर सड़कों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से नहीं कराया गया, जिसके कारण सड़कें बाढ़ आने से पहले ही क्षतिग्रस्त होने लगी थीं। इस मामले में सारण के जिलाधिकारी से पिछले पांच वर्षों के विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। निर्माण सामग्री और गुणवत्ता पर उठे सवाल शिकायत के अनुसार, अकीलपुर पंचायत में निर्मित कुछ ग्रामीण सड़कें निर्माण के कुछ समय बाद ही टूटने और दरार पड़ने लगीं। आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण के बाद सड़कों पर पर्याप्त मात्रा में पानी का छिड़काव और आवश्यक देखरेख नहीं होने के कारण तेज धूप में भी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके बाद आई बाढ़ से सड़कों की स्थिति और खराब हो गई। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच किए बिना नुकसान के लिए पूरी तरह बाढ़ को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। हालांकि, सड़क क्षतिग्रस्त होने के वास्तविक कारणों का पता तकनीकी जांच और स्थल निरीक्षण के बाद ही चल सकेगा। पंचायत और प्रखंड स्तर पर मिलीभगत के

आरोप ग्रामीणों की शिकायत में पंचायत के जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय कर्मियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप लगाया गया है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताएं हुई हैं। इसके साथ ही दीघवारा प्रखंड कार्यालय में आम लोगों के कामकाज को लेकर भी शिकायतें व्यक्त की गई हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कुछ कार्यों के लिए लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है और बिचौलियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। जिलाधिकारी से जांच और कार्रवाई की मांग शिकायतकर्ताओं ने सारण के जिलाधिकारी से विशेष रूप से अकीलपुर पंचायत में पिछले पांच वर्षों के दौरान कराए गए सड़क निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों की जांच कराने की अपील की है। मांग की गई है कि निर्माण योजनाओं की स्वीकृत राशि, खर्च का विवरण, निर्माण एंजेंसी, तकनीकी अभिलेख और मौके पर मौजूद कार्यों का मिलान कराया जाए। साथ ही, सड़क निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री के नमूनों की तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप हुआ था या नहीं। यदि जांच में अनियमितता अथवा सरकारी राशि के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार

कार्रवाई की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं पर ध्यान देने की अपील शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि ग्रामीण और बाढ़ प्रभावित दियारा क्षेत्रों की समस्याओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित रहने के बजाय गांवों में भी विकास कार्यों और बुनियादी सुविधाओं की नियमित समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि ग्रामीण सड़कों की खराब स्थिति से आवागमन प्रभावित होता है और बरसात तथा बाढ़ के दौरान लोगों की परेशानियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में सड़क निर्माण की गुणवत्ता और सरकारी योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करना जरूरी है। मुख्यमंत्री से भी शिकायत करने की चेतावनी शिकायतकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में समयबद्ध जांच और उचित कार्रवाई नहीं होती है, तो वे बिहार के मुख्यमंत्री के समक्ष भी शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेने और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की है।

अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इन शिकायतों पर क्या कदम उठाता है। फिलहाल, सड़क निर्माण में अनियमितता, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की कथित मिलीभगत और सरकारी राशि के दुरुपयोग से जुड़े आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। निष्पक्ष तकनीकी जांच के बाद ही जिम्मेदारी तय हो सकेगी।

डीईओ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों संग की बैठक

संवाददाता
मेदिनीनगर : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में एसआईआर के तहत अब तक हुई कार्रवाई,प्राप्त दावे-आपत्तियों तथा आगे की प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी।इस दौरान सर्वप्रथम जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संशोधित कार्यक्रम से अवगत कराया जिसके

तहत बताया गया कि अब 30 नवंबर को वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। डीईओ श्री शेखावत ने बताया कि दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर टीं ली'र' उमिर' उम्र-सह-इछड-इछअ-2 एवं चुनाव पाठशाला की चौथी बैठक आयोजित की जाएगी। शिविर में मतदाताओं को रक्तप्रक्रिया, प्रश्नों एवं आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने एवं आवश्यक सुधार में सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर के मेग

हेल्थ डेस्क में एसआईआर से संबंधित लॉबित मामलों,डब्लू टॅक्नॉल्लॅ एवं अल्लड्वींर से जुड़े मामलों में पात्र नागरिकों को आवश्यक जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराई जाए।उन्होंने कहा कि बीएलए 2 अपने क्षेत्र के मतदाताओं को यदि किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है, तो उसे बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक में अवश्य रखें, ताकि तदनुसार आवश्यक समन्वय की जा सके। उन्होंने बताया कि 12 से 16 अक्टूबर 2026 तक विशेषज्ञ आउटरचर अभियान के दौरान बीएलओ एवं संबंधित पदाधिकारी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, ट्रांसजेंडर, सेक्स वर्कर

तथा अन्य कमजोर एवं वंचित वर्गों के पात्र नागरिकों तक स्वयं पहुंचेंगे और उन्हें दस्तावेज, सत्यापन तथा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग देंगे। डीईओ ने विशेष रूप से वृद्धाश्रम, आश्रमगृह, शक्ति सदन, अनाथालय तथा अन्य संस्थानों में रहने वाले पात्र नागरिकों तक पहुंच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जानकारी अथवा आवश्यक सहयोग के अभाव में कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित नहीं होना चाहिए। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी उदय रजक समेत विभिन्न दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

दीघवारा के दियारा क्षेत्र में सरकारी योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं में अनियमितता के आरोप, अकीलपुर पंचायत की जांच की मांग

संवाददाता
सारण : सारण जिले के दीघवारा प्रखंड अंतर्गत दियारा क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, विकास कार्यों, जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) और बैंकिंग सेवाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों ने जांच की मांग उठाई है। विशेष रूप से अकीलपुर पंचायत में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की दीघवारा शाखा के अधीन संचालित ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) के माध्यम से होने वाले बैंकिंग लेन-देन को लेकर शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की जा रही है। ग्रामीणों की शिकायतों के अनुसार, सरकारी योजनाओं की राशि के

भुगतान और उपयोग में कथित गड़बड़ियों की आशंका है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। शौचालय निर्माण योजना में गड़बड़ी की आशंका शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शौचालय निर्माण योजना के तहत करीब 150 शौचालयों के लिए प्रति इकाई 12,000 रुपये की राशि निकाले जाने की बात सामने आई है, जबकि ग्रामीणों के अनुसार कई स्थानों पर अपेक्षित निर्माण नहीं हुआ है। ऐसे में स्वीकृत शौचालयों, भुगतान किए गए लाभार्थियों और धरातल पर उपलब्ध निर्माण की स्थिति का भौतिक सत्यापन कराने की मांग

की गई है। बैंक और ग्राहक सेवा केंद्रों के लेन-देन की जांच की मांग सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की दीघवारा शाखा तथा उसके अधीन संचालित सीएसपी केंद्रों में सरकारी योजनाओं की राशि की निकासी और बैंकिंग लेन-देन को लेकर भी शिकायतें सामने आने की बात कही गई है। ग्रामीणों ने संबंधित खातों, लाभार्थियों के भुगतान विवरण, निकासी अभिलेखों और सीएसपी के लेन-देन की जांच कराने की मांग की है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। विकास कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल दियारा क्षेत्र की पंचायतों में सड़क

सहित अन्य विकास योजनाओं के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी शिकायतें हैं। आरोप है कि कुछ स्थानों पर निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री के इस्तेमाल की निरीक्षण कर तकनीकी जांच कराई जाए तथा अभिलेखों में दर्ज कार्यों का वास्तविक स्थिति से मिलान किया जाए। पीडीएस में कम अनाज देने का आरोप जन वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न वितरण को लेकर भी कुछ ग्रामीणों ने निर्धारित मात्रा से कम अनाज मिलने की शिकायत की है। इस मामले में संबंधित राशन दुकानों के वितरण

अभिलेखों और लाभार्थियों को दिए गए खाद्यान्न की जांच कराने की मांग की गई है। मुख्यमंत्री से उच्चस्तरीय जांच कराने की अपील ग्रामीणों की ओर से मुख्यमंत्री से अपील की गई है कि दीघवारा प्रखंड के दियारा क्षेत्र की सभी संबंधित पंचायतों में सरकारी योजनाओं की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। इसमें विशेष रूप से अकीलपुर पंचायत को शामिल करने की मांग की गई है, जो 20 वार्डों वाली पंचायत है। मांग की गई है कि जांच के दौरान योजना से संबंधित अभिलेखों, स्वीकृत राशि, भुगतान विवरण, लाभार्थियों के

खातों, सीएसपी लेन-देन, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और स्थल पर मौजूद वास्तविक स्थिति का मिलान कराया जाए। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या सरकारी राशि के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो संबंधित जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। फिलहाल, इन मामलों में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र एवं आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। निष्पक्ष जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करेगा।